सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 255 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 28 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

प्रदेश का पहला क्रॉस फ्लाई ओवर ब्रिज बनकर तैयार, रायपुर से दुर्ग के बीच का सफर होगा आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-53 में चार ओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें सबसे अनोखा ब्रिज भिलाई के पावर हाउस में प्रदेश का पहला क्रॉस फ्लाई ओवर ब्रिज बनकर तैयार हो गया है। इस ब्रिज को एक तरफ से खोलने की तैयारी पूरी कर ली गई है। जल्द ही आज कल में इस ब्रिज के रायपुर से दुर्ग को ओर जाने वाले ब्रिज को खोला जाएगा। इस फ्लाई ओवर ब्रिज की ऊंचाई पुराने ब्रिज से 6.5 मीटर अधिक है इसकी लंबाई करीब 1600 मीटर है। इस निर्माण ब्रिज की 66 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है।

निर्माण एजेंसी को इस ब्रिज को पांच जून तक कंप्लीट करना था, लेकिन निर्माण एजेंसी की देरी के चलते इसका निर्माण 26-27 जून तक भी पूरा नहीं हुआ। संभवत: एक-दो दिन में रायपुर से दुर्ग की ओर जाने वाले लोगों का

आवागमन शुरू किया जा सकता है। वहीं निर्माण एजेंसी ने कर्मचारियों की संख्या को बढ़ाकर काम करना शुरू किया है। दूसरे तरफ की ब्रिज को एक सप्ताह बाद खोला जाएगा।

डबरापारा में रेलवे लाइन के चलते निर्माण में विलंब

चारों ओवर ब्रिज में सबसे अधिक समय डबरापारा ओवर ब्रिज में लगेगा। यह ओवर ब्रिज रेलवे लाइन के ऊपर से बन रहा है। अभी तक इसका ब्रिज ही नहीं बना है। निर्माण एजेंसी ने ब्रिज बनाने के लिए एप्रोच ब्रिज का निर्माण कर दिया है। इसके बाद फ्लाई ओवर ब्रिज के निर्माण का कार्य शुरू होगा। इस ब्रिज को 55.19 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। जिसकी लंबाई 580 मीटर और चौड़ाई 18.50 मीटर है।

ये ओवर ब्रिज हो गया शुरू, ट्रैफिक दबाव हुआ काम

दुर्ग से कुम्हारी के बीच कुम्हारी, डबरापारा, पावर हाउस और सुपेला फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें सबसे पहले कुम्हारी ओवर ब्रिज के रायपुर से दुर्ग की ओर जाने वाली और फिर सुपेला ओवर ब्रिज शुरू हो चुका है। ब्रिज को शुरू करने के चलते घड़ी चौक के पास शहरी सड़क में ट्रैफिक का दबाव कम हो गया है। दुर्घटनाएं भी कम हो रही हैं। इस ब्रिज का निर्माण 87.20 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है। ये ब्रिज चारों ब्रिज की तुलना में सबसे लंबा है। इसकी लंबाई 2100 मीटर है। जो साक्षरता चौक से शुरू होकर सुपेला थाना के समीप उतरता है। अब ब्रिज के नीचे मॉडीफिकेशन और सड़क व नाली निर्माण का कार्य चल रहा है।

खास - खबर

बारिश के कारण मिट्टी कटाव से धंसी सड़क, कई गांव हुए प्रभावित

कोरबा। कोरबा जिले में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुककर हो रही झमाझम बारिश ने लोगों की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। सुबह से लेकर रात तक बारिश होने के कारण लोगों का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। स्कूल दफ्तर या फिर दैनिक रोजगार करने वाले लोग लगातार हो रही बारिश से प्रभावित हुए हैं। तेज बारिश के कारण जिले के ग्रामीण अंचल की एक सड़क बह गई है। सड़क का एक हिस्सा बह जाने के कारण लगभग डेढ़ दर्जन गांवों का संपर्क टूटा गया है। पाली विकासखंड के पोड़ी-पाली मार्ग में गुंजन नाला पर निर्मित अस्थाई सड़क का बड़ा हिस्सा पानी के तेज बहाव में बह गया। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नक्सलियों ने उपसरपंच को किया अगवा, सामाजिक संगठनों ने की सकुशल रिहाई की मांग

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले से एक बड़ी खबर आ रही है। खबरों के अनुसार यहां नक्सलियों ने बुरकापाल पंचायत के उपसरपंच माड़वी गंगा को अगवा कर लिया है। हालांकि पुलिस ने इस घटना की पुष्टि नहीं की है। वहीं सर्व आदिवासी समाज के लोग भी संपर्क साध रहे हैं। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने उपसरपंच को बीती रात ताड़मेटला स्थित घर से ही अगवा कर लिया। अगवा उप सरपंच के लिए आज नक्सलियों द्वारा जनअदालत लगाए जाने की खबर है।

राजधानी रायपुर में बनेगा देश का चौथा बड़ा जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क

हाईकोर्ट ने खारीज की रोक वाली याचिका

- पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल ने 2020 में लगाई थी याचिका, मंगलवार को हुआ फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरीतराई में लगभग 10 लाख वर्ग फीट में जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क की स्थापना की जानी है, यहां लगभग दो हजार दुकानें बनेंगी। यह देश का चौथा बड़ा जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क होगा। मंगलवार को जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क पर रोक लगाने के संबंध में दायर याचिका खारीज होने क बाद इसके निर्माण का रास्ता साफहो गया है।

रायपुर के कृषि उपज मण्डी, पंडरीतराई में जेम्स और ज्वेलरी पार्क की स्थापना को लेकर दायर याचिका को मंगलवार को सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय बिलासपुर ने निराधार मानते हुए खारिज कर दिया है। पंडरीतराई में जेम्स और ज्वेलरी पार्क की स्थापना का मामला सुलझ गया है। इसके बाद शासन की औद्योगिक नीति के तहत पंडरीतराई में कृषि उपज मंडी की जमीन पर इसका निर्माण कराया जा सकेगा।

1975 में किसानों ने खरीदी थी मंडी समिति की जमीन

पूर्व विधायक देवजी पटेल द्वारा दायर याचिका में कहा गया था कि मंडी समिति की जमीन 1975 में किसानों ने खरीदी थी। उसका भूमि स्वामी हक कृषि उपज मंडी रायपुर पास है। याचिका के अनुसार कृषि उपज मंडी अधिनियम के तहत समिति की जमीन सिर्फ मंडी के प्रयोजन के लिए ही उपयोग में लाई जा सकती है। किसी अन्य प्रयोजन में उपयोग नहीं हो सकती। याचिका में यह भी बताया गया कि एक ही दिन में राज्य शासन ने 5 से 6 एजेंसियों को निर्देशित करते हुए कृषि उपज मंडी अधिनियम के विपरीत पार्क के लिए भूमि आवंटित कर दी। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों की बैठक कर मंडी समिति की जमीन लेने का निर्णय लिया गया और उसी रात में ही भूमि को उद्योग विभाग को कब्जा दे दिया गया।

बता दें वर्ष 2020 में पूर्व विधायक व कृषि उपज मंडी समिति रायपुर के पूर्व अध्यक्ष देवजीभाई पटेल ने अधिवक्ता किशोर श्रीवास्तव, आशुतोष पांडेय, हिमांशु सिन्हा, शशांक ठाकुर और एवी श्रीधर के जरिए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में उनके द्वारा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क के लिए आबंटित की गई कृषि उपज की मंडी भूमि को नियम विरुद्ध बताया था। याचिका दायर होने के बाद उच्च न्यायालय ने इस पर किसी भी तरह के निर्माण पर रोक लगा दी थी।

हाईकोर्ट ने लगाई थी रोक

साल 2020 से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने मामले की अंतिम सुनवाई तक किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य पर रोक लगा दी थी, तब से प्रकरण में स्थगन आदेश लागू रहा। मंगलवार को प्रकरण की सुनवाई के दौरान राज्य शासन की तरफ से महाधिवक्ता सतीशचंद वर्मा, विक्रम वर्मा ने पैरवी की। महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा ने कहा कि विधि के अनुरूप आदेश पारित किया गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही अब जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क बनने का रास्ता साफहो गया है।

निर्माणाधीन पुल के पास नदी में गिरा ट्रक, एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत की आशंका, कई घायल

दतिया (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के दतिया जिले के दुरसड़ा थाना क्षेत्र के एक निर्माणाधीन पुल के पास डीसीएम गाड़ी (मिनी ट्रक) पलट गया। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत होने की खबर है। इसके अलावा 30 से 35 लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना पर दतिया कलेक्टर और एसपी मौके पर पहुंच गए हैं। घटना को लेकर प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी संज्ञान लिया है। वह स्थानीय अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार दुरसड़ा थाना क्षेत्र के बुहारा गांव के पास पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके चलते वाहनों को नदी पर रपटा बनाकर निकाला जा रहा था। मंगलवार रात को लोगों से भरी एक डीसीएम वहां से गुजर रही थी, इस वह अनियंत्रित होकर घुवारा नदी में गिर गई।

डीसीएम में सवार लोग ग्वालियर के बिलहेटी गांव के रहने वाले हैं और टीकमगढ़ के जतारा में लड़की को लेकर शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान ये हादसा हो गया। दतिया पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा सहित अन्य आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। लोगों को रेस्क्यू करने का काम जारी है।

तीन बच्चों सहित पांच के शव निकाले गए

हादसे का शिकार हुई डीसीएम में बच्चों और महिलाओं सहित 50-60 लोग सवार थे। अब तक पांच लोगों के शव निकाल लिए गए हैं। इनमें एक 18 साल का युवक, 65 साल की महिला, 3 बच्चे शामिल है। वहीं, 10-12 लोगों के मौत की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और प्रशासन की टीमें बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

नक्सलगढ़ में 'ऑपरेशन मानसून', 2 लाख का इनामी ढेर, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून ने दस्तक दे दी है और बस्तर में पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ 'ऑपरेशन मानसून' की भी शुरुआत कर दी है। सुकमा में भारी बारिश के बीच नक्सलियों के कोर इलाके में घुसकर जवानों ने 2 लाख रुपए के इनामी नक्सली सोढ़ी दुला को ढेर कर दिया है। इस अभियान के तहत इस साल की यह पहली कामयाबी है। जवानों ने भारी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद किया है।

ऑपरेशन मानसून पुलिस के लिए सबसे कारगर साबित होता है। पिछले 3 सालों के आंकड़े देखे तो पुलिस ने ऑपरेशन मानसून के शुरुआती दिनों में अलग-अलग जिलों में करीब 30 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया था।

जिनपर लाखों रुपए का इनाम भी घोषित था। अब इस साल फोर्स मानसून किट के साथ जंगलों में घुस चुकी है। नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन चल रहा है।

सुकमा पुलिस को जानकारी मिली थी कि, एर्राबोर और भेज्जी थाना क्षेत्र के रगड़गट्टा, मरईगुड़ा क्षेत्र में कोंटा एरिया कमेटी के माओवादी मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर जवानों की टीम मौके के लिए निकली थी। नक्सलियों के ठिकाने पर DRG और CRPF के जवानों ने धावा बोला। दोनों तरफ से जमकर गोलीबारी हुई। जवानों ने 2 लाख रुपए के नक्सली को मार गिराया।

फोर्स ने दावा किया है कि इस मुठभेड़ में करीब 2 से 3 नक्सली घायल भी हुए हैं। मुठभेड़ के बाद जब इलाके की सर्चिंग की गई तो जवानों ने मौके से शव समेत एक हथियार, IED, नक्सल साहित्य समेत, विस्फोटक और अन्य कई सामान बरामद किए। मृत नक्सली जब संगठन में था तो उस समय इसने फोर्स को काफी परेशान किया था। बताया जा रहा है कि, फोर्स अब भी जंगल में ही है। अलग-अलग थाना क्षेत्र से फोर्स को नक्सलगढ़ में घुसाया गया है।

वर्सोवा-बांद्रा सी लिंक का नाम बदलकर वीर सावरकर सेतु हुआ, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का भी बदला नाम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में वर्सोवा-बांद्रा सी लिंक का नाम बदल दिया गया है। अब इसे वीर सावरकर सेतु के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का नाम भी बदलकर अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति न्हावा शेवा अटल सेतु कर दिया गया है। पिछले महीने वीर सावरकर जयंती के दिन महाराष्ट्र सरकार ने इसे लेकर फैसला लिया था।

इससे पहले केंद्र सरकार ने फरवरी में औरंगाबाद और उस्मानाबाद के बदले हुए नाम को मंजूरी दे दी थी। अब औरंगाबाद को छत्रपति संभाजीनगर और उस्मानाबाद को धाराशिव के नाम से जाना जाएगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्विटर पर यह खबर साझा की थी। औरंगाबाद का नाम मुगल शासक औरंगजेब, जबकि उस्मानाबाद का नाम

हैदराबाद रियासत के 20वीं सदी के शासक के नाम पर रखा गया था।

छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी उनके पिता द्वारा स्थापित मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक थे। संभाजी महाराज को 1689 में औरंगजेब के आदेश पर फांसी दे दी गई थी। कुछ विद्वानों के अनुसार उस्मानाबाद के समीप एक गुफा धाराशिव आठवीं सदी की है। हिंदू दक्षिणपंथी संगठन इन दो शहरों के नाम बदलने की मांग लंबे समय से कर रहे थे।

पिछले महीने किया था एलान

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बताया था कि राज्य की सरकार ने सावरकर जयंती को वीर सावरकर गौरव दिन के रूप में मनाने का फैसला किया है। सरकार ने बांद्रा-वर्सोवा समुद्र सेतु का नामकरण भी वीर सावरकर के नाम पर करने का भी एलान किया था। अलग-अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को वीर सावरकर वीरता पुरस्कार देने का फैसला भी किया गया था।

जब सरकार ने बनाई सड़क तो...

श्रीकंचनपथ

सड़कें यदि सरकार बना रही है तो टोलटैक्स किस बात का? या तो सरकार हाईवे बनाने का श्रेय लेना बंद करे या फिर उसे जनता के लिए फ्री करे। दोनों बातें साथ-साथ नहीं हो सकतीं। रायपुर-नागपुर हाईवे पर स्थित दुर्ग टोल-प्लाजा में कांग्रेसियों ने उत्पात मचाया। टोल कर्मियों के साथ उनकी झूमा-झटकी भी हुई। कांग्रेसियों ने धरना दिया और इसके बाद बात बढ़ी तो टोल प्लाजा में तोड़फोड़ करने के साथ ही वहां लगे कैमरे भी तोड़ दिये। दरअसल, कांग्रेसी स्थानीय वाहनों से टोल टैक्स वसूले जाने का विरोध कर रहे थे जबकि टोल कर्मी कहते रहे कि वो अपना काम कर रहे हैं। टोल कर्मी अपनी जगह बिल्कुल सही हैं। कांग्रेसियों की मांग भी अपनी जगह ठीक है। दरअसल, वह दौर बीत चुका जब सड़कें राजा या सरकारें बनवाती थीं और प्रजा उनका उपयोग करती थी। सड़कों को सम्पर्क का साधन माना जाता था। यह विकास की बुनियाद थी। आवाजाही की सुगमता व्यापार और वाणिज्य के लिए तो जरूरी है ही पर इसका एक पहलू और भी है। जिनकी याददाश्त कमजोर हो चुकी है उन्हें याद दिला दें कि 90 के दशक में भारत ने आर्थिक वैश्वीकरण की तरफकदम बढ़ाए। इसके साथ ही दुनिया की सभी बड़ी कंपनियों ने भारत बाजार का रुख कर लिया। तब भी भारत 120 करोड़ से अधिक आबादी वाला देश था। 1995 में सड़कों, विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन के लिए बीओटी (BOT) मॉडल को अपनाया गया। इसका मतलब था- निजी कंपनियां सड़कें बनाएंगी, उन्हें ऑपरेट कर अपने पैसे वसूलेगी और फिर उसे सरकार को आगे के रखरखाव के लिए हस्तांतरित कर देगी। इन खास सड़कों की जरूरत इसलिए भी थी ताकि लोग बड़ी लक्जरी गाड़ियां खरीद सकें और इन सड़कों पर दौड़ा सकें। हमें इस रफ्तार की वैसे तो कोई जरूरत थी ही नहीं। जिस देश में ट्रेनें अपनी ही पटरियों पर दौड़कर 24-36 घंटे लेट हो जाती हैं और लोग उसे बर्दाश्त कर लेते हैं वहां वक्त की ऐसी भी कोई मारा-मारी नहीं थी। जैसी कि हमारी संस्कृति है, वक्त की हमारे पास कोई कमी नहीं है। हम दिन भर प्रवचन पंडालों में बैठे रह सकते हैं। घंटों नदियों की आरती कर सकते हैं। काम धंधा छोड़कर नेताओं को सुनने के लिए भीड़ लगा सकते हैं। वैश्वीकरण के दौर में कुछ लोगों के पास अनाप-शनाप पैसा आ गया। निजी बैंकों ने गाड़ियों की खरीद फरोख्त को आसान बना दिया। लोग अपना शौक पूरा करने लगे। पार्किंग स्पेस एक नई समस्या बनकर उभरी। सड़क चौड़ी करने के लिए कहीं पेड़ कट रहे हैं तो कहीं तोड़फोड़ हो रही है। यह समस्या बाजारवाद की देन है। 70 के दशक में एंबेसेडर अधिकारियों की और फिएट डाक्टरों की गाड़ी हुआ करती थी। अब रेत चोर भी एसयूवी और एक्सयूवी में घूम रहे हैं। सड़कें बनाने का श्रेय लेकर सरकारें बन-बिगड़ रही हैं। इसके गणित को समझ लिया तो विवाद स्वत: समाप्त हो जाएगा।

संपादकीय

शांति की अपील

मणिपुर में बेकाबू स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए भारतीय सेना जिस सूझबूझ और धैर्य का परिचय दे रही है, उसकी सराहना की जानी चाहिए। खासकर इथम गांव में जिस तरह महिलाओं की अगुवाई वाली उग्र भीड़ ने 12 उग्रवादियों को छोड़ने के लिए बाध्य किया, अगर सेना वहां धैर्य व समझदारी का परिचय न देती, तो व्यापक हिंसा हो सकती थी। मणिपुर आज जिस स्थिति में पहुंच गया है, वहां कोई भी आक्रामक कार्रवाई हालात को ज्यादा बिगाड़ेगी। ये छोड़े गए उग्रवादी जिस समूह से जुड़े थे, उसने साल 2015 में मणिपुर में डोगरा रेजिमेंट के काफिले पर हमला किया था, जिसमें 18 जवान शहीद हो गए थे और 10 से अधिक बुरी तरह जख्मी हुए थे। इसके बावजूद सेना ने न सिर्फ जरूरी संयम का परिचय दिया, बल्कि बाकायदा एक वीडियो जारी करके आंदोलित समुदायों से अपील की है कि वे मणिपुर में अमन बहाली के प्रयासों में सहयोग करें। उसने उचित ही कहा है कि मानवता के भाव को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। आखिर अपने ही लोगों के खिलाफ हथियारों के इस्तेमाल से दुखद स्थिति किसी सैनिक के लिए और क्या हो सकती है? मणिपुर में हिंसा भड़के दो महीने होने को आ गए और हालात के पटरी पर लौटने का कोई सिरा अब भी हाथ नहीं आया है। केंद्र के लिए यह गहन चिंतन का विषय है। ऐसे मामलों में शुरुआती उदासीनता कितनी महंगी साबित होती है, मणिपुर की स्थिति एक नजीर के तौर पर अब हमेशा हमारे सामने होगी। खासकर सीमावर्ती सूबों की सरकारों के लिए यह एक सबक है कि वे आइंदा भावनात्मक मसलों में अतिरिक्त सतर्कता और संवेदनशीलता का परिचय देंगी। नागरिक प्रशासन में सेना की मदद लेने की नौबत लोकतंत्र के लिए सुखद नहीं कही जा सकती। इसलिए हालात को पटरी पर लाने के लिए गंभीर राजनीतिक पहल होनी चाहिए। इंफाल में सभी राजनीतिक पार्टियों और सामाजिक समूहों के लोगों को एक साथ एक मंच से शांति की अपील करनी चाहिए। दुर्भाग्य से अब भी वह एकजुटता नहीं दिख रही है। यह वाकई अध्ययन का विषय है कि महज एक साल पहले मणिपुर में लोकप्रिय सरकार का गठन हुआ है, और जन-प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र के लोगों को भरोसे में नहीं ले पा रहे! यदि स्थानीय स्तर पर सभी दलों के सम्मानित लोग एक मंच से शांति-संवाद करें, तो उसका असर पड़ सकता है, मगर इसके लिए क्षुद्र राजनीति से सभी को बचना होगा। मणिपुर को जल्द से जल्द शांति की दरकार है। वहां पसरी हिंसा में सौ से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, हजारों लोग राहत शिविरों में पड़े हैं। धन के नुकसान का तो अभी आकलन ही नहीं हो सकता। कुछ लोगों का भरोसा इतना दरक चुका है कि वे शायद ही अपने मूल गांव कभी लौट पाएं, ऐसे लोगों के जख्मों पर मरहम रखने की जरूरत है। आंदोलित समुदाय जानते हैं कि भारतीय सेना अराजक तत्वों को नियंत्रित करने का माद्दा रखती है, लेकिन वह अपने संयम से मणिपुर के लोगों को यह भरोसा दिलाना चाहती है कि वह वहां उनकी मदद के लिए ही आई है। इन 56 दिनों में मणिपुर काफी पीछे चला गया है। उसके सामाजिक ताने-बाने को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपायी में शायद वर्षों लग जाए। मगर लोगों को सेना के साथ सहयोग करना ही चाहिए, ताकि संवाद लायक एक माहौल बन सके। स्थायी शांति के लिए मैतेई और कुकी के बीच संवाद का होना बहुत जरूरी है।

"धन के नुकसान का तो अभी आकलन ही नहीं हो सकता। कुछ लोगों का भरोसा इतना दरक चुका है कि वे शायद ही अपने मूल गांव कभी लौट पाएं, ऐसे लोगों के जख्मों पर मरहम रखने की जरूरत है। आंदोलित समुदाय जानते हैं कि भारतीय सेना अराजक तत्वों को नियंत्रित करने का माद्दा रखती है, लेकिन वह अपने संयम से मणिपुर के लोगों को यह भरोसा दिलाना चाहती है कि वह वहां उनकी मदद के लिए ही आई है। इन 56 दिनों में मणिपुर काफी पीछे चला गया है। उसके सामाजिक ताने-बाने को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपायी में शायद वर्षों लग जाए। मगर लोगों को सेना के साथ सहयोग करना ही चाहिए, ताकि संवाद लायक एक माहौल बन सके।

पहले खुद की खातिरदारी... बाद में यारी, रिश्तेदारी

प्यारेलाल कट्टर सिद्धांतजीवी माने जाते हैं। वे हर बात में सिद्धांत का उल्लेख करते हैं। वे सिद्धांत को ओढ़ते हैं, बिछाते हैं और उसी पर सोते हैं। प्यारेलाल जैसे लोगों ने अपने-अपने हिसाब से सिद्धांत बना रखे हैं। जैसे किसी का सिद्धांत है कि सूर्योदय से पहले बिस्तर से उठ जाऊंगा तो किसी अन्य का सिद्धांत है कि सूर्योदय के बाद ही बिस्तर छोड़ूंगा। अब कुछ भी हो जाए दोनों किस्म के जीव अपने सिद्धांत पर अड़े रहते हैं। कुछ लोगों का सिद्धांत है कि चाय, नाश्ता, भोजन के लिए अपनी जेब ढीली नहीं करेंगे। इसके लिए उन्हें कितनी भी बदनामी झेलनी पड़े और उनकी खिल्ली उड़ाई जाए, वे अपने इस सिद्धांत से टस से मस नहीं होते।

प्यारेलाल शासकीय नौकरी में हैं। उन्होंने रिश्वत लेकर ही काम करने का सिद्धांत बना रखा है। उनकी टेबल से जो भी दस्तावेज या फाइल गुजरती है, उसे वे बिना खर्चा-पानी के निकलने नहीं देते हैं। इसके लिए कोई पहचान, यारी-दोस्ती या रिश्तेदारी भी कोई मायने नहीं रखती है। सारे रिश्ते-नाते एक तरफ हैं और उनका रिश्वत लेकर काम करने का सिद्धांत दूसरी तरफ। लेकिन जब उनका काम बिना रिश्वत दिए कहीं अटकता है तो वे पतली गली से रास्ता निकाल लेते हैं। वे इस काम के लिए एजेंट नियुक्त कर देते हैं। वह उनके लिए देन-लेन करके काम निपटा देता है। यानी प्यारेलाल का काम भी हो जाता है और उनका सिद्धांत भी कायम रहता है। यानी सिद्धांत उनके लिए हाथी के दांत की तरह हैं। जब उनके बेटे के विवाह का अवसर आया तो स्वाभाविक ही कन्याओं के पिता उनके पास चर्चा के लिए आने लगे। उन्होंने सिद्धांतजीवी होने के नाते साफ-साफ बता दिया कि लड़के की पढ़ाई-लिखाई में इतनी राशि खर्च हुई है। मकान की मरम्मत करवानी है और खेत में बोरवेल भी करवाना है। कुल इतना खर्च तो लगेगा ही। उन्होंने जमकर सौदेबाजी की और इस कीमत पर बहू को ले आए। धन लेकर आई बहू ने क्या रंग दिखाए और बाद में क्या हुआ, यह अलग विषय है।

जब प्यारेलाल की बेटी के विवाह की बात आई तो उनका कुमकुम कन्या का सिद्धांत प्रबल हो गया। वे अपने पास सब कुछ होने के बावजूद कन्या को नई गृहस्थी जुटाने के लिए कुछ भी नहीं देना चाहते थे। वे घोर दहेज विरोधी थे और कुछ उपहार देने में उनका सिद्धांत आड़े आ रहा था। उनके इसी रवैये के चलते उन्हें बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

प्रदीप कुमार दीक्षित

"सुरक्षा बलों की मानें, तो जिन 12 लोगों को 'रिहा' किया गया, उनसे हथियार जमा करा लिए गए हैं। यह तर्क गले नहीं उतरता। हथियार तो उनसे वापस लेने ही थे, लेकिन इस घटना में कानून की जो अवहेलना हुई, उसको नजरंदाज कैसे किया जा सकता है, जबकि यहां की महिलाएं सामान्य व्यवस्था लागू करने के लिए ही मुखर रही हैं।

अपने टूटे समाज को कैसे जोड़े मणिपुर

चंदन कुमार शर्मा, प्रोफेसर, तेजपुर विवि, असम

मणिपुर के हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। हालिया हिंसा से पहाड़ी और मैदानी इलाकों में जो सामाजिक विभाजन हुआ है, वह शायद ही हाल-फिलहाल भर सकेगा। समुदायों के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। रविवार देर शाम नई दिल्ली से मणिपुर लौटे मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के बयान ने भी लोगों की नाराजगी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया है कि पहाड़ी जिलों की स्थिति पर वह स्वयं नजर रखेंगे, जबकि घाटी की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री पर होगी। बेशक, यह बंदोबस्त कुछ समय के लिए किया गया होगा, लेकिन इसके खिलाफ तर्क दिया जा रहा है कि जब राज्य एक है, तो प्रशासनिक-इंतजाम अलग-अलग क्यों? क्या इससे आपसी कटुता और नहीं बढ़ेगी?

बहरहाल, मणिपुर में सामाजिकता के क्षरण का आलम यह है कि घाटी में, खासतौर से पहाड़ी जिलों के जो कुकी जैसे लोग आ बसे थे, वे वहां से विदा हो चुके हैं। वे अब घाटी की अपनी संपत्ति बेचना चाहते हैं, जिसका अर्थ है कि वे लौटकर वापस आने का इरादा नहीं रखते। ठीक यही स्थिति उन मैतेई परिवारों की है, जो पहाड़ी जिलों को छोड़ आए हैं। जाहिर है, यह एक गहरा घाव है, जो कब तक भर सकेगा, इसकी सही-सही जानकारी किसी को नहीं है। बीते तकरीबन दो महीनों में यहां जो कुछ हुआ है, उसकी याद लोगों को बहुत दिनों तक परेशान करती रहेगी। यह संकेत है कि ऊपरी तौर पर भले ही यहां हिंसक घटनाएं कम हो रही हैं, लेकिन चिनगारी लगातार सुलग रही है, जो कभी भी भड़क सकती है।

24 जून की घटना को इसी संदर्भ में देखना चाहिए। उस दिन सेना और मणिपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित संगठन कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 12 उग्रवादियों को पकड़ लिया था, लेकिन हजार से भी अधिक संख्या में लोगों, विशेषकर महिलाओं की भीड़ ने उनको छुड़ा लिया। यह सही है कि पूरे पूर्वोत्तर में महिलाओं की सामाजिक जीवन में खास भूमिका है। करीब-करीब हर आंदोलन में उनकी उल्लेखनीय भागीदारी रही है। मानवाधिकार हनन के खिलाफ भी उन्होंने खुलकर अपनी आवाज बुलंद की है। लगभग दो दशक पहले मणिपुर में मनोरमा बलात्कार और हत्याकांड के बाद तो यहां की 12 महिलाओं ने मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सुरक्षा बलों के खिलाफ नग्न प्रदर्शन भी किया था। मीरा पैबी की महिलाओं का यह प्रदर्शन दुनिया भर के लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने में सफल रहा था।

मगर उनका हथियारबंद उग्रवादियों के बचाव में सुरक्षा बलों से मोर्चा लेना चिंतनीय है। अभी तक हमने यहां उनकी रचनात्मक भूमिका ही देखी थी, पर इस बार उन्होंने हथियार रखने वालों के पक्ष में अपनी गोलबंदी दिखाई है। अभी पूरे मणिपुर में हथियारों की आमद बढ़ी है। इसीलिए सरकार और स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपने-अपने हथियार वापस करने की गुजारिश की थी। मगर चंद लोगों ने ही इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। यह सुखद स्थिति नहीं है। यह बताता है कि स्थानीय लोगों का पुलिस या सेना से भरोसा उठ गया है। वे अपने पास हथियार रखकर लोकतांत्रिक संस्थाओं को चुनौती दे रहे हैं।

सुरक्षा बलों की मानें, तो जिन 12 लोगों को 'रिहा' किया गया, उनसे हथियार जमा करा लिए गए हैं। यह तर्क गले नहीं उतरता। हथियार तो उनसे वापस लेने ही थे, लेकिन इस घटना में कानून की जो अवहेलना हुई, उसको नजरंदाज कैसे किया जा सकता है, जबकि यहां की महिलाएं सामान्य व्यवस्था लागू करने के लिए ही मुखर रही हैं। यहां तक कि मौजूदा तनातनी के शुरुआती दौर में भी कुकी और मैतेई, दोनों समुदायों की महिलाओं को एक-दूसरे के लिए लड़ते देखा गया था। पहाड़ी जिलों में कुकी महिलाओं ने मैतेई को सुरक्षा दी थी, तो घाटी में मैतेई महिलाओं ने कुकियों की सुरक्षा के लिए मानव-श्रृंखला बनाई थी। यह तस्वीर तमाम झंझावातों के बीच उम्मीद की किरण दिखा रही थी। ऐसा लग रहा था कि यहां की औरतों का यह रुख लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की पुनर्बहाली की राह तैयार करेगा। तो, क्या वे उम्मीदें अब ध्वस्त हो गई हैं? क्या यह प्रदेश अब सामाजिक तौर पर पूरी तरह से बंट गया है?

हथियारबंद उग्रवादियों को हिरासत से छुड़ा लेने की घटना सुरक्षा बलों के घटते प्रभाव का भी संकेत है। यहां भीड़ को मनमर्जी की छूट देना एक गलत ट्रेंड की शुरुआत होगी। इसी तरह, यदि पहाड़ में भी नगा या कुकी अपने लोगों को छुड़ाने लगेंगे, तो राज्य में कानून-व्यवस्था का मजाक बन सकता है। यानी, सुरक्षा बलों या पुलिस-प्रशासन को परिस्थितियों के मुताबिक रुख अपनाना होगा। जाहिर है, यह मणिपुर की स्थिति बिगड़ने का संकेत है। सवाल यह है कि आखिर कैसे इस राज्य को शांति की राह पर वापस लाया जा सकता है? यहां अमन-चैन कायम हो तो कैसे? चूंकि यहां अब हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन होने लगा है, इसलिए सुरक्षा बलों को सावधानी के साथ स्थिति संभालनी होगी। ऐसी घटनाओं से अफवाहों को पंख लग सकते हैं, जिससे हालात फिर से बिगड़ सकते हैं। इसीलिए उनसे संवेदनशीलता के साथ कुछ हद तक सख्ती की भी अपेक्षा है।

यहां सिविल सोसायटी को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। उनको यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी तरह यहां शांति बहाल की जाए। इसके लिए हमें राजनीतिक समाधान की तरफ भी देखना होगा। हमें कुछ सवालों के जवाब खोजने ही होंगे, जैसे- मैतेई के 'लैंड-रिर्सोसेज' की रक्षा किस तरह की जाए? पहाड़ी जिलों की यह शिकायत कि विकास-कार्य अमूमन घाटी में होते हैं और पहाड़ों को नजरंदाज कर दिया जाता है, किस तरह दूर की जा सकती है? क्या पहाड़ी इलाकों के लिए स्वायत्त इकाई भी इस मसले का एक समाधान हो सकता है?

फिलहाल, राज्य में जो सामाजिक विभेद दिख रहा है, उसको जल्द दूर करना आवश्यक है। बेशक, घाटी में यहां की ज्यादातर आबादी बसती है, लेकिन पहाड़ी इलाकों की अनदेखी नहीं की जा सकती। उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी कम है, जिस पर हमारे सियासतदानों को सोचना होगा। जब तक पहाड़ी और घाटी को तार्किक रूप से बराबर तवज्जो नहीं दी जाएगी, तब तक मणिपुर समस्या का कोई स्थायी समाधान मुश्किल है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बड़े पैमाने पर रक्षा उत्पाद बनाने की ओर भारत

धनेंद्र कुमार, पूर्व रक्षा सचिव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक अमेरिका यात्रा के राजनयिक, आर्थिक, रक्षा व प्रौद्योगिकी गठजोड़ जैसे अनेक आयाम हैं। इस यात्रा को चीन की भू-राजनीतिक चालों, बढ़ती महत्वाकांक्षाओं, धमकी भरे रुख और रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। भारत की दृष्टि से देखें, तो हथियार या आयुध आयात को कम करते हुए रक्षा आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में यह यात्रा महत्वपूर्ण रही है।

हमारे रक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक उद्यमों की भूमिका अहम है, साथ ही, निजी क्षेत्र की बड़ी भागीदारी को प्रोत्साहित करना भी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से भारत के रक्षा उद्योग, एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए आत्मनिर्भर भारत बनाने में अब तक 'मेक इन इंडिया' की भूमिका प्रभावी रही है। सरकार अमेरिका के साथ सीधे क्रेता-विक्रेता रक्षा संबंध से आगे बढ़कर काम कर रही है। संयुक्त उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान, सह-विकास और सह-उत्पादन की ओर बढ़ने के प्रयास कर रही है। ध्यान देने की बात है, भारत के पास दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्थायी सेना है, और भारत एक बड़ा हथियार आयातक है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सैन्य उपकरणों का शीर्ष आयातक है। विश्व हथियार आयात का 11 प्रतिशत हिस्सा उसके खाते में है। विशाल भूमि सीमाओं और शत्रु भाव वाले पड़ोसियों से घिरे भारत जैसे विशाल देश के लिए बिना देरी आत्मनिर्भरता हासिल करना महत्वपूर्ण है।

ऐसे में, दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक मूल्य वाले रक्षा सौदे हुए हैं, भारतीय रक्षा क्षमता को बढ़ाने, रणनीतिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण बढ़ाने और बहुमूल्य रक्षा उपकरण खरीदने की दिशा में काम हुआ है। सरकार प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए विदेशी निर्माताओं के साथ ही निजी क्षेत्र के सहयोग को भी प्रोत्साहित कर रही है। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान, राज्य के स्वामित्व वाली हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने भारत में जेट इंजन बनाने के लिए जनरल इलेक्ट्रिक के साथ समझौता किया है। इससे भारत को स्वदेशी विमान निर्माण में मदद मिलेगी।

हमारी रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति, 2020 (डीपीईपीपी 2020) का लक्ष्य है 2025 तक एयरोस्पेस, रक्षा उत्पादों और सेवाओं में 35,000 करोड़ रुपये के निर्यात सहित 1.75 ट्रिलियन रुपए का कारोबार हासिल करना। इसमें निजी क्षेत्र की भूमिका अहम है। सरकार ने 400 से अधिक वस्तुओं या रक्षा उपकरणों को सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची में रखा है। इससे निजी निवेश की गुंजाइश और बढ़ गई है।

कई प्रमुख भारतीय कंपनियों ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वदेशी क्षमता हासिल की है। जैसे, भारत फोर्ज और टाटा समूह द्वारा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के उन्नत आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) का सफल विकास अपने उन्नत हथियार प्लेटफॉर्मों को विकसित करने में भारतीय उद्योग की क्षमता का प्रमाण है। 48 किलोमीटर की रेंज के साथ, एटीएजीएस को खास श्रेणी में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तोपों में गिना जाता है। कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड को आर्टिलरी गन के लिए बड़े निर्यात ऑर्डर भी मिले हैं, जो किसी भी भारतीय निजी कंपनी के लिए अपनी तरह की पहली उपलब्धि है। इसी तरह, एलऐंडटी ने अपने रक्षा अभियान में स्वदेशी मिसाइल सिस्टम, एयरोस्पेस घटकों और रडार सिस्टम बनाने के लिए 8,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। टाटा समूह ड्रोन-आधारित समाधान बनाने के लिए स्टार्टअप के साथ भी सहयोग कर रहा है। रक्षा तैयारियों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए निजी क्षेत्र को इसमें शामिल करना महत्वपूर्ण है। इसमें निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी नवाचार को प्रोत्साहित करेगी। तमाम सकारात्मक बदलावों का लाभ उठाते हुए जरूरी रक्षा प्रणालियों के विकास के लिए राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

भू-राजनीतिक तनाव के युग में दुनिया को शांति व स्थिरता के साथ-साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते खतरों का सामना करने के लिए भारत के सहयोग की जरूरत होगी। कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से इन प्रयासों को काफी बल मिला है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सरकारी जवाबदेही व समाज की संवेदनशीलता जरूरी

क्षमा शर्मा

कोई भी दिवस किसी समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए घोषित किया जाता है। पिछले दिनों अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाया जाना बताता है कि दुनिया में बुजुर्गों की स्थिति विकट है। हेल्पेज इंडिया का 60 से 90 वर्ष तक की आयु की शहरी-ग्रामीण करीब आठ हजार महिलाओं पर अध्ययन गहरे निहितार्थसामने लाता है। अध्ययन में शामिल बीस राज्यों, पांच महानगरों और दो केंद्रशासित प्रदेशों की महिलाओं में से सोलह प्रतिशत ने बताया था कि उन्हें मारपीट सबसे अधिक झेलनी पड़ती है। साथ ही तमाम तरह की बदसलूकी जैसे कि बात-बात पर अपमान, गाली-गलौज , खाना न देना, मनोवैज्ञानिक मसले आदि शामिल हैं।

चौंकाने वाली बात यह कि सर्वे में शामिल चालीस प्रतिशत महिलाओं ने बुरे व्यवहार के लिए बेटों को जिम्मेदार माना। इकत्तीस प्रतिशत ने रिश्तेदारों के द्वारा हिंसा झेली तो सत्ताइस प्रतिशत ने इसके लिए बहुओं को जिम्मेदार माना। ज्यादा चिंताजनक बात यह कि ये महिलाएं परिवार और आसपास के लोगों से इतना डरती भी हैं कि पुलिस को बुरे व्यवहार की सूचना नहीं देती हैं।

विडंबना है कि यह सिर्फ महिलाओं की ही समस्या नहीं है, बड़ी संख्या में पुरुष भी पीड़ित हैं। इस तरह का प्रामाणिक अध्ययन जरूर किया जाना चाहिए। सरकारी बेरुखी के बीच देश में बुजुर्गों की संख्या दस करोड़ के आसपास बताई जाती है। वे वोटर्स भी हैं लेकिन किसी राजनीतिक दल की चिंता के केंद्र में नहीं दिखाई देते। उन्हें तो एक तरह से फ्यूज बल्ब मान लिया जाता है जो किसी के काम के नहीं हैं, न समाज के, न सरकार के, न दो पैसे कमाने लायक बल्कि अपने हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर। तो जो निर्भर है भला उसकी मदद कोई क्यों करे। इसीलिए बुजुर्गों के प्रति बदसलूकी बढ़ती जाती है और हम आंखें मूंदें रहते हैं। मीडिया भी इनकी समस्याओं की अनदेखी करता है क्योंकि बुजुर्गों के झुर्रीभरे चेहरे चैनल्स की चमकदार और युवा दुनिया के किस काम के।

बहुत दिन पहले एक वीडियो देखा था कि एक बेहद कृशकाय बूढ़ी महिला को एक युवा स्त्री घसीटकर लाती है और सड़क किनारे उसे उठा-उठाकर पटकती है, बार-बार। पीटती जाती है। बूढ़ी महिला चीख-चिल्ला रही है। रो रही है। वह बचने की कोशिश भी कर रही है, मगर बच नहीं पाती। उसे बचाने का प्रयास कोई राहगीर नहीं करता। बुढ़िया चिल्लाती रहती है, लेकिन लगता है कि सड़क से गुजरते लोग बहरे हो गए हैं। यह बहरापन, हमें किसी से क्या मतलब की भावना और दूसरे के दु:ख से निरपेक्षता को दर्शाता है, जो हिंसा करने वालों का हौसला बढ़ाता है। और जब तक हम खुद हिंसा का शिकार न हों, हमें चिंतित भी नहीं करता। जो स्त्री उस बूढ़ी महिला को पीट रही थी, वह निश्चित तौर पर उसके परिवार की सदस्य ही रही होगी। सवाल उठा कि बाहर के हिंसक व्यवहार से तो शायद निपटा भी जा सके, लेकिन परिजनों के हिंसक व्यवहार का निवारण कैसे हो।

बुजुर्गों के प्रति अपनों द्वारा हिंसा, भेदभाव, प्रापर्टी अपने नाम कराकर उन्हें बेदखल कर देने आदि की खबरें लगातार आती रहती हैं। लेकिन शायद ही कोई इन पर ध्यान देता है। बल्कि सरकारों में बड़े पद पर बैठे बहुत से लोग ही बुजुर्गों को देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ बताने लगते हैं। हां अदालतें जरूर अकसर बुजुर्गों के पक्ष में फैसले देती हैं, मगर अदालतों तक कितने बुजुर्ग पहुंच पाते हैं। कितनों के शरीर में इतना दम होता है और संसाधन भी कि वे अदालतों तक पहुंच सकें।

शहरों में ऐसे बुजुर्ग भी बड़ी संख्या में मिलते हैं जो स्वस्थ हैं। आर्थिक संसाधनों की भी कोई कमी नहीं, लेकिन उनके पास समय काटने का कोई साधन नहीं। जिनके बच्चे साथ रहते हैं, चाहे घर बुजुर्गों का ही हो, वहां कोई सम्मान नहीं। यह भावना भी बराबर बनी रहती है जैसे कि बच्चे उनके साथ रहकर उन पर बड़ा भारी अहसान कर रहे हों। कई बार तो बच्चे बुजुर्गों का सारा पैसा हड़प लेते हैं और उन्हें असहाय छोड़ देते हैं।

ऐसे में यदि उनके साथ मारपीट और हिंसा भी होने लगे और अस्वस्थ होने की अवस्था में इलाज और देखभाल की भी कोई व्यवस्था न हो तो ये लोग कहां जाएं? सरकारें यदि चाहें तो इनके अनुभव का लाभ उठा सकती हैं। इनकी योग्यता के अनुसार इन्हें काम देकर समाज में इनकी भूमिका बढ़ सकती है। साथ ही इनका आत्मविश्वास भी बढ़ सकता है। हां, जो इनके प्रति बुरा सलूक करे, उससे भी सरकार निपटने की व्यवस्था करे, पुलिस बदसलूकी का संज्ञान ले, वरना तो इनका जीवन ही दूभर हो जाएगा।

कुछ साल पहले एक मित्र अपना मकान बेचकर बेटे के पास अमेरिका चले गए। अभी गए एक महीना भी शायद नहीं बीता था कि उनका फोन रात के बारह बजे आया। उनका कहना था कि जब उनके बहू-बेटे दफ्तर चले गए हैं, तब वे फोन कर रहे हैं। जितनी जल्दी हो सके लौटना चाहते हैं। क्या उनके लिए एक किराए के मकान की व्यवस्था हो सकती है। बोले बच्चों के कहने पर कभी अपनी छत नहीं छोड़नी चाहिए। आप कहीं के नहीं रहते।

ऐसे किस्से इन दिनों आम हो चले हैं। विडंबना कि देश में ऐसी बेशुमार कहानियां बिखरी पड़ी हैं जहां सब कुछ होते हुए भी उनके परिजनों ने उनके अपने ही घर से बाहर कर दिया।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा जागरूकता रथ को विधायक प्रकाश नायक ने दिखायी हरी झण्डी

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के दिशा-निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ. मधुलिका सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा 27 जून को प्रारंभ हुआ। जो 24 जुलाई 2023 तक चलेगा। यह पखवाड़ा दो चरणों में किया जायेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं ग्रामीण स्तर पर प्रचार के लिये जनजागरूकता रथ को विधायक प्रकाश नायक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर प्रभारी सीएमएचओ डॉ. बी.पी.पटेल, नोडल अधिकारी डॉ योगेश पटेल, आरएमएनसीएच, सलाहकार डॉ राजेश मिश्रा, आरएमए राजेश साहू उपस्थित होकर पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। प्रथम चरण मोबालाइजेशन फेस(दंपत्ति संपर्क पखवाड़ा)-27 जून से 10 जुलाई 2023 तक एवं द्वितीय चरण जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा-24 जुलाई तक किया जाएगा। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े में परिवार नियोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं लक्ष्य दंपत्तियों को आवश्यकता अनुरूप परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों के उपयोग हेतु अपील की गई। समस्त शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में परिवार नियोजन से संबंधित सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध है।

बरसात के मौसम में बीमारियों से रहें सावधान, मच्छर जनित रोगों की बढ़ जाती है संभावना

रायपुर। जून के अंत तक प्राय: देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसून आ जाता है। हालांकि मानसून के शुरूआती दिनों में कभी धूप, कभी बारिश की स्थिति सेहत के लिए कई प्रकार से चुनौतीपूर्ण हो जाती है। वातावरण में आर्द्रता की शुरूआत के साथ ही कई प्रकार के रोग भी पनपने शुरू हो जाते हैं। यह मौसम मच्छरों के प्रजनन के लिए भी काफी अनुकूल माना जाता है, जिसके कारण बरसात शुरू होते ही डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी कई तरह की मच्छर जनित बीमारियों का जोखिम काफी बढ़ जाता है। संचालक, महामारी नियंत्रण डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि बदलते मौसम के मद्देनजर सभी लोगों को अपनी सेहत के प्रति विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। जरा सी भी लापरवाही बीमार कर सकती है। बरसात के मौसम में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, सर्दी, खांसी, उल्टी, दस्त, वायरल बुखार, फंगल इन्फेक्शन, हेपेटाइटिस और टायफाइड जैसी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि मानसून में कई तरह के मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू आदि का खतरा काफी बढ़ जाता है। बारिश के दिनों में गड्ढों में भरे हुए पानी को मच्छरों के प्रजनन के लिए काफी उपयुक्त माना जाता है। इस मौसम में संक्रमित मच्छरों के काटने के कारण मलेरिया व डेंगू जैसी बीमारियों का जोखिम काफी बढ़ जाता है।

प्रोजेक्ट से 600 मॉडल स्कूलों के विकास एवं संचालन में मिलेगी सहायता

छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने वर्ल्ड बैंक ने मंजूर की 2460 करोड़ रुपए की राशि

गुणवत्ता युक्त बुनियादी सुविधाओं के साथ सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में विज्ञान और वाणिज्य की शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर छत्तीसगढ़ के स्कूलों में बेहतर आधारभूत ढांचे के साथ शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, सीनियर सेकेंडरी स्तर पर विज्ञान एवं वाणिज्य की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए वर्ल्ड बैंक ने छत्तीसगढ़ को लगभग 2460 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की है। इस परियोजना से गरीब और कमजोर वर्ग से आने वाले लगभग 40 लाख छात्र लाभान्वित होंगे।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा को मजबूत बनाने के साथ ही गरीब वर्ग के प्रतिभावान छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्वामी आत्मानंद इंग्लिश एवं हिंदी माध्यम में उत्कृष्ट स्कूल प्रारंभ किए जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचारी पहल भी किए जा रहे हैं।

सभी स्तरों में शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने, सीनियर सेकेंडरी स्तर पर साइंस और कॉमर्स की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ एक्सीलरेटेड लर्निंग फॉर नॉलेज इकोनॉमी ऑपरेशन (चाक) परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित स्कूलों में भी अध्ययन-अध्यापन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में वर्ल्ड बैंक की मदद से राज्य के माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान और वाणिज्य शिक्षा को प्रोत्साहित करने, विज्ञान और गणित शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ प्रयोगशालाओं में आवश्यक बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने दूरस्थ स्थानों से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए आवास की व्यवस्था, स्कूलों में छात्रों का नामांकन दर बढ़ाने तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। वर्ल्ड बैंक की इस परियोजना से कक्षा 1 से 12वीं तक के लगभग 600 मॉडल स्कूलों को विकसित और संचालित करने में मदद मिलेगी तथा माध्यमिक स्तर पर विज्ञान और वाणिज्य की शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा। स्कूलों में प्रशिक्षित शिक्षकों, मजबूत नेतृत्व और प्रबंधन सीखने के लिए पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जायेंगी। परियोजना से कोविड-19 के दौरान लर्निंग लॉस में कमी आएगी। परियोजना से अध्यापकों के प्रशिक्षण से शिक्षकों की कक्षा में अध्यापन की क्षमता बेहतर होने के साथ ही छात्रों की विषय-वस्तु को सीखने की क्षमता बढ़ेगी।

इस परियोजना से छत्तीसगढ़ में तेजी से बढ़ते निर्माण और सेवा क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने परिषद के सदस्यों द्वारा प्री मैट्रिक छात्रावासों के पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में उन्नयन और सीटों की संख्या में वृद्धि संबंधी आग्रह पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन संभागों में अनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या अधिक है, वहां प्राथमिकता के आधार पर छात्रावासों के उन्नयन तथा सीटों की संख्या में वृद्धि की जाए। सदस्यों द्वारा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम तथा हिन्दी माध्यम स्कूलों में छात्रों को आरक्षण का लाभ देने के आग्रह पर उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कक्षा पहली में प्रवेशित छात्रों को आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा जाति प्रमाण पत्रों को बनाने की प्रक्रिया में किए गए सरलीकरण के प्रावधानों के प्रचार-प्रसार के लिए वाल राईटिंग कराने तथा पाम्पलेट छपवाकर वितरित करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद: नए कार्यालय का जल्द होगा शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने आज यहां नवा रायपुर स्थित सेक्टर 27 में छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद के नये कार्यालय भवन का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परिषद का नया कार्यालय आधुनिक सुविधाओं से सज-धज कर तैयार है, जल्द ही नये कार्यालय का शुभारंभ किया जाएगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद के अध्यक्ष एवं विभागीय मंत्री उपाध्यक्ष है। छत्तीसगढ़ विविध विधाओं को आगे बढ़ाने एवं एक छत के नीचे सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से अकादमियों, आयोग और शोधपीठों तथा फिल्म विकास निगम को समन्वय कर छत्तीसगढ़ी परिषद का गठन किया गया है, परिषद के अंतर्गत 6 शाखाएं हैं, जिसमें अलग-अलग विधाओं के विषय-विशेषज्ञों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों के रूप में मनोनित किया गया है। इन विषय विशेषज्ञों द्वारा समय-समय पर कार्यशाला और कार्यक्रमों के माध्यम से छत्तीसगढ़ संस्कृति को आगे ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने इस मौके पर बताया कि प्रदेश के कलाकारों और विभागीय कार्यों की सहजता एवं सरलता को बनाने हेतु परिषद के नवनिर्मित कार्यालय को सर्वसुविधा युक्त बनाया जा रहा है। आगामी माह में इस नवीन कार्यालय का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भूपेश सरकार में अनैतिक कार्य करने वाले जाते हैं जेल -कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार में अनैतिक कार्य करने वाले जेल जाते हैं चाहे वह कोई भी हो बिलासपुर में किसान को धमकाने वाला कांग्रेस नेता आज सलाखों के पीछे हैं। 15 साल के रमन भाजपा शासनकाल के दौरान पूरा प्रदेश ने देखा है कि भाजपा के नेता किसानों की जमीन, सरकारी जमीन, चारागाह, बाग बगीचा और सड़क पर कब्जा कर लेते थे और रमन सरकार उन पर कार्यवाही करने के बजाय उन्हें बचाती थी। पूर्व रमन सरकार में दूसरे नंबर के मंत्री रहे बृजमोहन अग्रवाल के परिजनों के ऊपर पद एवं प्रभाव का दुरुपयोग कर सैकड़ों एकड़ शासकीय भूमि को हड़पने और उसे निजी फार्म हाउस बनाने का गंभीर आरोप लगा था। महासमुंद जिला के जलकी गांव में 15.32 हेक्टेयर भूमि अभी राजस्व रिकॉर्ड में सरकारी जमीन के रूप में दर्ज है इस गंभीर व अरबों रुपए के जमीन घोटाले के आरोपियों के विरुद्ध रमन सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की और पीएमओ में भी शिकायत की गई थी जिसमे जमीन घोटाले के आरोपियों को बचाने का ही काम किया गया है।

'गढ़बो भविष्य' के तर्ज पर शिक्षित बेरोजगार अपना भविष्य स्वयं गढ़कर अपने जीवन को उज्ज्वल बनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ी भाषा के 'गढ़बो भविष्य' शब्द के तर्ज पर हमारे जिले के शिक्षित बेरोजगार अपना भविष्य स्वयं गढ़कर अपने जीवन को उज्ज्वल बनाएं। कलेक्टर शर्मा आज जिला मुख्यालय बालोद जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में जिला प्रशासन द्वारा बेरोजगारी भत्ता योजना अंतर्गत पात्र जिले के शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार प्रदान करने हेतु आयोजित 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प में उपस्थित युवाओं को संबोधित कर रहे थे।

श्री शर्मा ने कहा कि 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से हमारे जिले के बेरोजगारी भत्ता योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार प्राप्त करने का बेहतरीन अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने जिले के सभी शिक्षित बेरोजगारों को इस प्लेसमेंट कैम्प के आयोजन का लाभ उठाने की अपील की। उल्लेखनीय है कि आज जिले में आयोजित इस पहला प्लेसमेंट कैम्प में बालोद विकासखण्ड के बेरोजगारी भत्ता योजना के पात्र 333 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। जिसमें से 118 हितग्राहियों ने विकल्प के रूप में सीधे प्लेसमेंट का चुनाव किया तथा शेष 215 हितग्राहियों ने पहले प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत नियोजन के विकल्प का चुनाव किया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप बालोद जिला प्रशासन द्वारा बेरोजगारी भत्ता योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार प्रदान करने हेतु जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालयों में 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज जिला मुख्यालय बालोद में बालोद विकासखण्ड के हितग्राहियों के लिए जिले का पहला 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया।

कलेक्टर श्री शर्मा ने 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ी भाषा के 'गढ़बो भविष्य' शब्द का आशय अपना भविष्य स्वयं तैयार करना है, जिसके माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा बेरोजगारी भत्ता योजना के पात्र हितग्राहियों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर उन्होंने तेज बारिश के उपरांत भी 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प में जिले के युवाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति की सराहना भी की। श्री शर्मा ने कहा कि रोजगार एवं स्वरोजगार प्राप्त करने के उपरांत भी हमारे युवाओं का कदम नहीं रूकना चाहिए। अपितु आपको बेहतर अवसर के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने जिले में आयोजित पहले 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से चयनित होने के लिए युवाओं को शुभकामनाएं भी दी। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.रेणुका श्रीवास्तव ने भी शिक्षित बेरोजगारों को जिले में आयोजित 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसका लाभ उठाने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन बालोद के मार्गदर्शन में जिला कौशल विकास प्राधिकरण बालोद द्वारा इस 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प में आन द जॉब ट्रेनिंग सह रोजगार तथा सीधे रोजगार प्रदान किए जाने हेतु विभिन्न संकायों में प्रशिक्षण तथा प्लेसमेंट हेतु हितग्राहियों को चिन्हांकित किया गया। इसके अंतर्गत आज प्रथम अरोरा फांउडेशन द्वारा 08 कोर्स में प्रशिक्षण हेतु आवासीय सुविधा प्रदान किया जाएगा। आज आयोजित 'गढ़बो भविष्य' प्लेसमेंट कैम्प में उपस्थित बालोद विकासखण्ड के 333 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। जिसमें से आटोमोटिव में 15, ब्यूटी पार्लर में 33, फाल्स सिलिंग में 15, इलेक्ट्रिकल में 39, हेल्थ केयर में 45, हास्पीटेलिटी में 44, प्लंबिंग में 13, टेक्सटाईल में 5 तथा वेल्डिंग में 6 लोगों ने प्रशिक्षण उपरांत रोजगार के विकल्प का चयन किया।

आई टी आई पास बेरोजगारों के लिए विशेष प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आईटीआई पास बेरोजगार युवाओं के लिए विशेष प्लेसमेंट कैम्प उरला इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा। बीरगांव मेन रोड पर स्थित इस कॉम्प्लेक्स में प्लेसमेंट कैम्प सुबह 11 बजे से शुरू होगा। इस कैम्प में उरला क्षेत्र के 14 औद्योगिक संस्थाओं द्वारा 280 विभिन्न पदो पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार से बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को भर्ती में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। इस विशेष प्लेसमेंट कैम्प में वेल्डर, फील्ड सुपरवाइजर, नाइट गार्ड, सिविल इंजीनियर, टेपर, पैनल ऑपरेटर, हाइड्रा ड्राइवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फीटर, इलेक्ट्रीशियन आदि है।

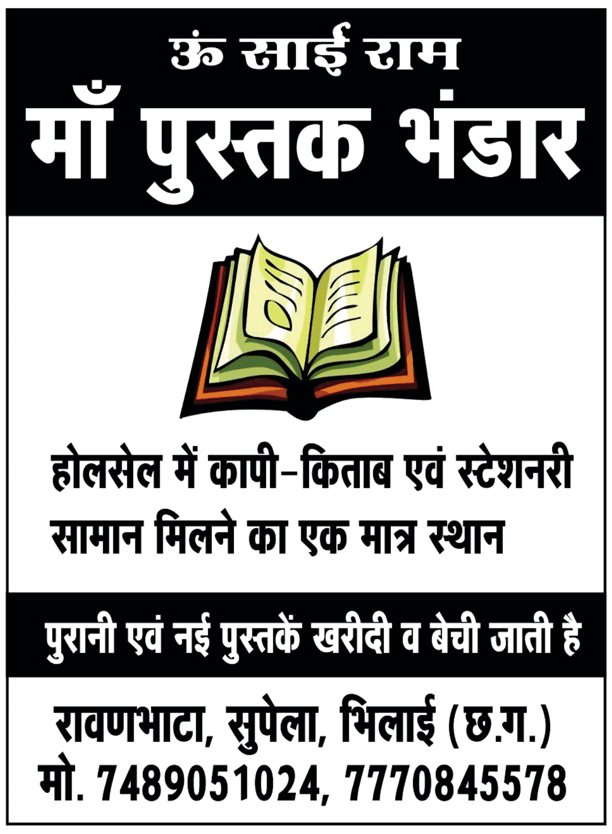

खास खबर...

पीएम मोदी के सीधे संवाद से कार्यकर्ताओं को मिली चुनाव के लिए ऊर्जाः मूणत

रायपुर (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम का शुभारंभ किया और देशभर के 10 लाख बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस कार्यक्रम को लेकर रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में खास तैयारी की गई थी। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र के 256 बूथों से 25-25 बूथ कार्यकर्ता समता कॉलोनी स्थित मैक कॉलेज आडिटोरियम में सुबह 10 बजे एकत्रित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण साव विशोष रूप से मौजूद थे। बूथ कार्यकर्ताओं के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सीधा संवाद को लेकर एक बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई थी। खचाखच भरे आडिटोरियम में भारत माता की जय और मोदी-मोदी के नारे गूंजते रहे। पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा कि बूथ कार्यकर्ताओं के सीधा संवाद कार्यक्रम से कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा है, आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को ऊर्जा मिली है और वह पूरी तरह तैयार है। मूणत ने आगे कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता की ओर से आयोजित ऐतिहासिक 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' संवाद कार्यक्रम में 'नेशन फर्स्ट' के प्रांजल भाव के साथ विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए अमूल्य मंत्र प्रदान किए हैं।

मूणत कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज का संबोधन हम सभी के लिए बहुमूल्य पथदर्शक है और सभी के मन में 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' की भावना से दीप्त करने है।

प्रदेश प्रभारी-पीसीसी चीफ ने की मोर्चा प्रकोष्ठ, विभागों के कार्यों की समीक्षा

रायपुर (ए)। कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम की उपस्थिति में मोर्चा, प्रकोष्ठो, विभागों के अध्यक्षों की बैठक लेकर उनके कामकाज की समीक्षा की तथा आने वाले चुनाव में सभी की भागीदारी के लिये कार्ययोजना बनाने का दिशा निर्देश दिए। इसके बाद प्रभारी सैलजा ने सभी से अकेले में मुलाकात कर उनके विभाग के कामो की अलग-अलग समीक्षा की।

बैठक में राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष फूलोदेवी नेताम, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता, प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अरूण ताम्रकार, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पाण्डेय, प्रदेश कांग्रेस इंटक अध्यक्ष संजय सिंह, अल्पसंख्यक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमीन मेमन, प्रदेश कांग्रेस आरटीआई अध्यक्ष नितिन सिन्हा, प्रदेश कांग्रेस अ.जा अध्यक्ष राजकुमार अंचल, प्रदेश कांग्रेस अ.जा. कार्य अध्यक्ष प्रकाश मारकण्डेय, प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष रामविलास साहू, आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जनक राम ध्रुव, प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग अध्यक्ष डॉ. चौलेश्वर चंद्राकर, प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग अध्यक्ष हसन खान, प्रदेश कांग्रेस आईटी सेल अध्यक्ष जयवर्धन बिस्सा, प्रदेश कांग्रेस मछुवा विभाग अध्यक्ष एमआर निषाद, प्रदेश असंगठित कामगार कांग्रेस अध्यक्ष आलोक पांडेय, प्रदेश प्रोफेसनल कांग्रेस अध्यक्ष क्षितिज चंद्राकर, प्रदेश कांग्रेस रिसर्च विभाग अध्यक्ष इदरीश गांधी और अन्य उपस्थित थे।

अभियान चलाकर छात्रावासों-आश्रमों का करें निरीक्षणः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

जाति प्रमाण पत्र बनाने में किए गए सरलीकरण के प्रावधानों का करें व्यापक प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद की प्रथम बैठक

अनुसूचित जाति वर्ग को सशक्त बनाने किए जा रहे हैं, हर संभव प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों सहित अनुसूचित जाति वर्ग को शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद का गठन किया गया है। इस परिषद द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान के लिए राज्य सरकार को परामर्श दिया जाएगा। परिषद के माध्यम से इस वर्ग के लिए संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री बघेल अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद की प्रथम बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बघेल ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि अभियान चलाकर छात्रावासों का निरीक्षण किया जाए और वहां साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बैठक में सदस्यों द्वारा बहुत अच्छे सुझाव दिए गए हैं। उन्होंने परिषद के सदस्यों द्वारा प्री मैट्रिक छात्रावासों के पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में उन्नयन और सीटों की संख्या में वृद्धि संबंधी आग्रह पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन संभागों में अनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या अधिक है, वहां प्राथमिकता के आधार पर छात्रावासों के उन्नयन तथा सीटों की संख्या में वृद्धि की जाए। सदस्यों द्वारा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम तथा हिन्दी माध्यम स्कूलों में छात्रों को आरक्षण का लाभ देने के आग्रह पर उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कक्षा पहली में प्रवेशित छात्रों को आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा जाति प्रमाण पत्रों को बनाने की प्रक्रिया में किए गए सरलीकरण के प्रावधानों के प्रचार-प्रसार के लिए वाल राईटिंग कराने तथा पाम्पलेट छपवाकर वितरित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में परिषद के सदस्यों का स्वागत करते हुए उनसे सुझाव भी मांगे। सदस्य ने सुझाव दिया कि कोरोना की आपदा के दौरान लोगों का दाह संस्कार करने वाले समाज के लोगों को सम्मानित किया जाए।

बैठक में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री तथा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, सहित परिषद के सदस्यगण, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग डीडी सिंह, आयुक्त शम्मी आबिदी उपस्थित थी।

सलाहकार परिषद की बैठक में सभी सदस्यों द्वारा अनुसूचित जाति के हितों के लिए परिषद का गठन कर इसमें सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि अनुसूचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रदेश में 90 पोस्ट मैट्रिक छात्रावास, 342 प्री मैट्रिक छात्रावास, 50 आश्रम संचालित किए जा रहे हैं।

सब्जियों के अच्छे उत्पादन वाले इलाकों में इसके व्यापार से जुड़ी गतिविधियां बढ़ाई जाएंः मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ अन्य पिछड़ा वर्ग सलाहकार परिषद की पहली बैठक मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने सलाहकार परिषद् की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के हितों की सुरक्षा, कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिए राज्य शासन को परामर्श देने हेतु सलाहकार परिषद का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल सभी वर्गों को शासन द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। विशेषकर समाज के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक विकास, व्यवसाय, रोजगार पर ध्यान देना चाहिए।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि गौठानों और रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में लोगों को रोजगार देने के लिए आयमूलक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। यहां और भी नई गतिविधियां संचालित की जा सकती हैं, इसका सुझाव भी दें। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में सब्जियों का अच्छा उत्पादन होता है वहां सब्जियों के व्यापार से जुड़ी गतिविधियां जैसे ड्रायर लगाने और पैकिंजिंग पर ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने पहली बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि परिषद् में अन्य पिछड़ा वर्ग की अधिक से अधिक उप जातियों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित करने के लिए हरदिया साहू समाज द्वारा किए गए प्रयासों और सोनकर समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन दोनों क्षेत्रों में इन समाजों ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार अन्य वर्गों में भी व्यवसाय व रोजगार से जुड़े हुनरमंद लोग हैं। समाज को इन्हें भी प्रोत्साहित कर अपनी पहचान बढ़ाना चाहिए।

बैठक में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री तथा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े और विनोद सेवनलाल चन्द्राकर, विधायक धनेन्द्र साहू, डॉ. विनय जायसवाल, रामकुमार यादव सहित परिषद के सदस्यगण, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग डी. डी. सिंह, आयुक्त शम्मी आबिदी उपस्थित थी।

सलाहकार परिषद की बैठक में सभी सदस्यों द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के हितों के लिए परिषद का गठन कर इसमें सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने के लिए धन्यवाद दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री बघेल की विशेष पहल पर वर्ष 2023-24 में अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 15 नवीन पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों की स्वीकृति दी गई है। इनमें 8 बालक तथा 7 कन्या छात्रावास शामिल हैं। बैठक में सदस्यों ने बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रावासों की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया। सदस्यों द्वारा यह भी सुझाव दिया कि प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के बच्चों के लिए छात्रावासों में पीईटी, पीएमटी, पीएससी और प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग की व्यवस्था की जाए।

प्रदेश में खरीफ फसलों की बुआई शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीते चार दिनों से सक्रिय मानसून के चलते खरीफ फसलों की तेजी से बुआई शुरू हो चुकी है। अब तक लगभग 54 हजार 340 हेक्टेयर में धान की बोता बोनी और 940 हेक्टेयर में रोपाई हो चुकी है। किसान मक्का, मुंगफली और कोदो की बुआई भी शुरू कर चुके हैं। राज्य में मानसून के चलते सब्जी-भाजी की खेती में भी तेजी आई है। अब तक 15 हजार 290 हेक्टेयर में सब्जी-भाजी की खेती की जा चुकी है। इस साल लेट मानसून आने के चलते खरीफ फसलों की बोनी पिछड़ी है, परंतु लगातार हो रही बारिश को देखते हुए यह उम्मीद है कि जून माह के अंत तक खरीफ फसलों की बोनी का औसत लक्ष्य पूरा हो जाएगा।

गौरतलब है कि राज्य में इस साल 48 लाख 20 हजार हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बोनी का लक्ष्य है। बीते वर्ष राज्य में 26 जून की स्थिति में लगभग सवा दो लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बोनी हो चुकी थी। खरीफ सीजन 2023 में धान की बुआई 36 लाख हेक्टेयर में, मक्का, कोदो, कुटकी रागी 4 लाख हेक्टेयर में, दलहन फसलें 3 लाख 60 हजार हेक्टेयर में, तिलहन फसलें 2 लाख 9 हजार हेक्टेयर में तथा सब्जी -भाजी एवं अन्य फसलों की बुवाई 2 लाख 50 हजार हेक्टेयर में किया जाना है। खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज एवं खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इस साल खरीफसीजन में 10.18 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण के लक्ष्य के विरूद्ध 6.78 लाख क्विंटल बीज का भंडारण तथा 3.82 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है। सहकारी सोसायटियों एवं निजी क्षेत्रों में 12.15 लाख मेट्रिक टन विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरक का भंडारण एवं 6.56 लाख टन का वितरण किया जा चुका है।

किसानों को अत्यधिक बारिश की वजह से फसलों को क्षति से बचाने के लिए खेतों से जल निकास की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। बेहतर उत्पादन के लिए बोआई के पूर्व बीजों को उपचारित करने तथा कतार बोनी, रोपण विधि और विधि को अपनाने सलाह दी गई है।

डेढ़ हजार अनाधिकृत निर्माण कार्यों के नियमितीकरण को मंजूरी

अतिम तिथि के पूर्व नियमितीकरण के लिए आवेदन करें : कलेक्टर

रायपुर (ए)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भूरे ने मंगलवार को रायपुर जिले के अनाधिकृत विकास निर्माण कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्राप्त नियमितीकरण के सभी प्रकरणों पर जमीन के दस्तावेजों का सूक्ष्मता से जांच कर अनुशंसा सहित प्राधिकृत अधिकारी को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि अनाधिकृत नियमितीकरण के तहत आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई है। इसके बाद हितग्राहियों से आवेदन नही लिए जाएंगे। कलेक्टर डॉ भुरे ने अंतिम तिथि के पूर्व आम जनता से अनाधिकृत नियमितीकरण के लिए 13 जुलाई के पहले आवेदन करने की अपील की है।

इसी तरह जिले के सभी नगरीय निकायों के सीएमओ और अनुविभागीय अधिकारी को नियमितिकरण की कार्यवाही समय-सीमा में करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से जोन के सभी वार्डों के कमर्शियल एवं आवासीय प्रॉपर्टी की जानकारी लेकर नियमितीकरण के संबंध में नोटिस देने की बात भी कही।

चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टॉफनर्सेज को डे-केयर कीमोथेरेपी का दिया गया विशेष प्रशिक्षण

कैंसर केयर मार्गदर्शिका का विमोचन भी किया गया

प्रदेश के 17 जिला चिकित्सालयों में है कैंसर के मरीजों के लिए कीमोथेरेपी की सुविधा

रायपुर। कीमोथेरेपी की सुविधा वाले राज्य के 17 जिला अस्पतालों के चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टॉफ नर्सेज को आज डे-केयर कीमोथेरेपी का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। नई दिल्ली के प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. दिनेश पेंढारकर और मध्यप्रदेश राज्य कैंसर कीमोथैरेपी के नोडल अधिकारी डॉ. सी.एम. त्रिपाठी ने इन्हें प्रशिक्षण दिया। राज्य में कैंसर सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में सहयोग के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदिपन ने डॉ. पेंढारकर और डॉ. त्रिपाठी को प्रशिक्षण कार्यशाला में सम्मानित किया। कार्यशाला में कैंसर केयर मार्गदर्शिका का विमोचन भी किया गया। एनपी-एनसीडी के उप संचालक डॉ. नेतराम नवरतन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य कार्यक्रम प्रबंधक आनंद साहू, शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. प्रदीप टंडन और एनसीडी के राज्य कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमी जैन भी कार्यशाला में उपस्थित थीं।

वर्तमान में प्रदेश के 17 जिला चिकित्सालयों में दीर्घायु वार्ड बनाकर डे-केयर कीमोथेरेपी की सुविधा प्रदान की जा रही है। राज्य के सुदूर जिलों दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बस्तर, कांकेर, बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा और सूरजपुर सहित बालोद, बेमेतरा, बिलासपुर, गरियाबंद, जांजगीर, कोरबा, मुंगेली, रायपुर तथा धमतरी के जिला अस्पतालों में कैंसर के मरीजों को निःशुल्क कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में चरणबद्ध रूप से कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कीमोथैरेपी के साथ ही जिला अस्पतालों में कैंसर की स्क्रिनिंग भी की जा रही है।

कृषि विभाग ने जारी की गोबर खरीदी की रैंकिंग, बिलासपुर पहले और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई दूसरे स्थान पर

रायपुर। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी योजना से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के ग्राम स्वराज का सपना साकार हो रहा है। गोधन न्याय योजना के तहत राज्य स्तर पर गोबर खरीदी रैंकिंग में जिला बिलासपुर पहला और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) दूसरे नंबर हासिल करने में सफलता पायी है। कृषि विभाग द्वारा गोबर खरीदी के लिए जारी की गई रैंकिंग में बिलासपुर जिले में 95 प्रतिशत गौठानों में गोबर क्रय कर प्रथम स्थान पर है तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई दूसरे स्थान पर है। वहां 84 प्रतिशत गौठानों में हुई गोबर क्रय किया जा रहा है। इन दोनों जिलों में कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों के सहयोग से नियमित और योजनाबद्ध ढंग से गोबर खरीदी के लिए कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। महिला समूहों को वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन जिलों में कलेक्टर द्वारा गोबर खरीदी की प्रतिदिन मॉनिटरिंग भी की जा रही है। यहां यह उल्लेखनीय है कि कृषि विभाग द्वारा गोबर खरीदी के लिए जारी किए गए रैंकिंग में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले ने 33वें स्थान से सीधे दूसरे स्थान की छलांग लगाई है।

गौरतलब है कि गरवा योजना अंतर्गत बनाए गए गौठानों में गोधन न्याय योजना के तहत गोबर की खरीदी की जा रही है तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को गोबर से वर्मी कम्पोस्ट निर्माण में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

क्या आपके घुटने जवानी में ही देने लगे हैं जवाब, दिनचर्या में शामिल करें ये योग

पहले के समय में घुटनों के दर्द की समस्या को उम्र से जोड़कर देखा जाता था। उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों और घुटनों का दर्द होना आम बात हैं। लेकिन आजकल यह समस्या जवानी में भी देखने को मिल रही हैं। जी हाँ, वर्तमान में कई युवा 30 की उम्र पार करते ही अर्थराइटिस या गठिया का शिकार हो जाते हैं। शुरुआत में ही इस पर ध्यान न दिया जाए तो आपका शरीर आने वाले समय में दूसरों के सहारे रहने पर मजबूर कर देगा। इसलिए आज इस कड़ी में हम आपको कुछ ऐसे योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें दिनचर्या में शामिल करते हुए घुटनों को मजबूती प्रदान करने की जरूरत हैं। योग करने से पैरों का रक्त संचार बेहतर होता है और घुटनों के दर्द से राहत मिलती है। रोजाना योग करें ताकि घुटने मजबूत हों और पैरों में होने वाले असंतुलन को कम किया जा सके। आइये जानते हैं इन योगासन के बारे में...

वीरासन

घुटनों के दर्द के लिए योग में शामिल पहला नाम वीरासन का है। यह योग शरीर और मन दोनों को शक्ति दे सकता है। इसके लिए सबसे पहले समतल जमीन पर योग मैट बिछा लें। अब योग मैट पर आप घुटनों के बल बैठ जाएं। अपने हाथों को सामान्य तरीके से अपने घुटनों पर रखें। अब अपने दोनों घुटनों को करीब लाएं। ऐसे करने से दोनों पैरों के बीच दूरी बन जाएगी। ध्यान रहे, दूरी इतनी होनी चाहिए कि दोनों पैरों के बीच आराम से आपके नितम्ब (हिप्स) आ सके। अब अपने दोनों टखनों को जांघों से बाहर की तरफ रखें। फिर धीरे-धीरे अपने नितम्ब को जमीन पर रखने की कोशिश करें। अगर पहली बार कोई यह योग मुद्रा कर रहा है, तो हिप्स के नीचे छोटा तकिया रख सकते हैं। जब आप पूरी तरह वीरासन योग मुद्रा में आ जाए, तो इसी मुद्रा में कम से कम 30 सेकंड तक रहने की कोशिश करें। फिर धीरे-धीरे सामान्य मुद्रा में आएं। इस पूरी प्रक्रिया को अपनी सुविधा के अनुसार दो से तीन बार दोहराएं।

धनुरासन

धनुरासन एक ऐसा आसन है जो ना केवल घुटनों के दर्द को खत्म करता है बल्कि इससे पीठ दर्द तनाव और मांसपेशियों की खिंचाव भी दूर होती है। इतना ही नहीं ये बंद नसों को भी खोलता है जिससे शरीर में फुर्ती बन जाती है। धनुरासन करने के लिए पहले पेट के बल सीधे लेट जाएं उसके बाद शरीर के अगले हिस्से को थोड़ा थोड़ा ऊपर उठाएं और पीछे से दोनों पैरों को ऊपर उठाएं और अपने आगे वाले दोनों हाथों से पीछे वाले पैरों के पंजों को पकड़ें, गर्दन को भी जितना हो सके ऊपर की ओर खींचे और धनुष का आकार ले लें। नियमित रूप से इस योग को करने से शरीर में दर्द से जुड़ी सारी परेशानियां दूर होती है।

त्रिकोणासन

इस योगासन के अभ्यास से मांसपेशियों का दर्द कम होता है। त्रिकोणासन करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं। अब पैरों के बीच करीब दो फीट की दूरी रखें और लंबी गहरी सांस लेते हुए शरीर को दाईं ओर झुकाएं। फिर बाएं हाथ को ऊपर की ओर ले जाएं। अपनी नजरें भी बाएं हाथ की उंगलियों पर टिकाएं। कुछ देर इस मुद्रा में रहे और फिर सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब दूसरी ओर से ये प्रक्रिया अपनाएं।

मलासन

इस आसन में मल त्याग करने की मुद्रा में बैठने का प्रयास किया जाता है। इसे अंग्रेजी में गारलैंड पोज कहा जाता है। माना जाता है कि मलासन पैरों में रक्तसंचार को बेहतर बनाने के साथ-साथ पीठ और कमर के लिए भी उपयोगी हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले किसी साफ और शांत जगह पर योग मैट बिछा लें। अब उस पर सीधे खड़े हो जाएं। फिर दोनों पैरों के बीच थोड़ी दूरी बनाएं। उसके बाद दोनों हाथों को प्रार्थना की मुद्रा में ले आएं। हाथों को प्रार्थना की मुद्रा में रखते हुए सीने के सामने लाएं। ध्यान रहे इस दौरान आपके हाथ सीधे रहने चाहिए। अब धीरे-धीरे नीचे बैठें, यह मुद्रा मलत्याग करने की स्थिति जैसी होती है। इस स्थिति में आने के बाद सांस छोड़ते हुए आगे की ओर थोड़ा झुकें। ध्यान रहे, इस अवस्था में आने के बाद दोनों कोहनियों को दोनों जांघों के बीच 90 डिग्री एंगल पर रखें। अब थोड़ी देर इस अवस्था में रहकर सामान्य तरीके से सांस लेते रहें। फिर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आने के बाद सीधे खड़े हो जाएं।

गरुड़ासन

गरुड़ासन को अंग्रेजी में ईगल पोज भी कहा जाता है। यह आसन घुटनों को मजबूत बनाने और दर्द को दूर करने के लिए एक बेहद फायदेमंद योग है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर सीधा खड़े हो जाएं। इसके बाद दाएं घुटने को मोड़ें फिर बाएं पैर पर खड़े होने का प्रयास करें। फिर दाएं पैर को बाएं के सामने घुमाते हुए पीछे की ओर लेकर जाएं। इस दौरान दाईं जांघ बाईं पर रखें। इस मुद्रा में दोनों हाथों को आगे की ओर लेकर जाएं। दोनों बाजुओं की कोहनी को मोड़कर क्रॉस करें। हाथों को क्रॉस करने के दौरान दाएं बाजू को बाएं पर रखें।

जानु चक्रासन

इस आसन के लिए दंडासन में बैठें। अब दाहिने घुटने को मोड़ें और हिप्स के पास ले आएं। अब अपने हाथों को घुटनों या जांघ के नीचे ले जाकर लॉक कर लें। अब अपने पैर को ऊपर उठाते हुए बड़े से बड़ा गोला बनाएं। प्रयास करें की आपकी रीढ़ की हड्डी सीधी रहे। ध्यान रखें कि आप अपनी क्षमता के अनुसार ही पैर को मूव करें। आप अपने पैर को पहले क्लॉकवाइज और फिर एंटी-क्लॉक वाइज घुमाएं। पैर को ऊपर ले जाते हुए सांस लें और नीचे ले जाते हुए छोड़ें। अब अपने दूसरे पैर से भी यही प्रक्रिया दोहराएं। आप इसे 10 से 15 बार करें।

पर्श्वोत्तनासन

इस योग को पिरामिड पोज कहा जाता है। पर्श्वोत्तनासन का अभ्यास करने के लिए दाहिने पैर को आगे बढ़ाकर 45 डिग्री एंगल बना ले। अब आगे की ओर झुकते हुए हाथो को नीचे जमीन पर सटा लें। घुटनों को मोड़े नहीं। इस अवस्था में कुछ देर रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब यही प्रक्रिया बाएं पैर को आगे बढ़ाकर करें। आप इसे 10 से 15 बार करें।

द केरला स्टोरी की एक्ट्रेस अदा शर्मा इंटरनेशनल फिल्म में बनेंगी सुपरहीरो

द केरला स्टोरी की सफलता से उत्साहित अदा शर्मा जल्द ही एक इंटरनेशनल प्रोडक्शन में काम शुरू करने वाली हैं। एक्ट्रेस फिल्म में एक महिला सुपरहीरो की भूमिका निभाएंगी। अदा ने इसकी पुष्टि की, लेकिन डिटेल्स को छिपाए रखने का फैसला किया।

एक्ट्रेस ने कहा, मैंने हमेशा महिला सुपरहीरो को बहुत अच्छा पाया है और मैं केवल इतना कह सकती हूं कि हां, मैं इसकी भूमिका निभा रही हूं और मैं जल्द ही इसके बारे में और चीजें साझा करने का इंतजार नहीं कर सकती। एक्शन एक ऐसी शैली है जिसका हिस्सा बनकर मुझे वास्तव में मजा आता है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे अलग-अलग तरह की भूमिकाएं करना पसंद है और मैं खुशकिस्मत हूं कि लोग अलग-अलग किरदारों के लिए मेरे बारे में सोच रहे हैं। द केरला स्टोरी के बाद मैंने सोचा कि यह बहुत अलग होगा। मैं किसी प्रोजेक्ट के बारे में तभी बात करना पसंद करती हूं, जब उसका ट्रेलर आता है। मैं जल्द ही इस पर और अधिक जानकारी साझा करूंगी।

एकता कपूर के नए शो में जल्द ही नजर आएगी शिवांगी जोशी

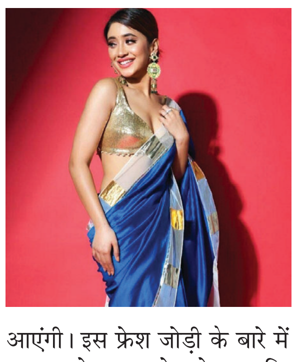

एकता कपूर के नए शो बरसातें-मौसम प्यार का में जल्द ही एक्ट्रेस शिवांगी जोशी नजर आएगी। एक्ट्रेस ने शो की निर्माता एकता कपूर की प्रशंसा करते हुए कहा कि एकता इस शो के साथ कुछ अलग करने की कोशिश कर रही हैं, वह उम्मीद कर रही है, कि यह शो दर्शकों को जरूर पसंद आएगा।

एक्ट्रेस शिवांगी को हाल ही में मुंबई में आयोजित गोल्डन ग्लोरी अवार्ड्स में देखा गया था, जहां उन्होंने अपने नए शो के बारे में बात की थी। एक्ट्रेस ने कहा कि यह हमारे नए शो बरसातें मौसम प्यार का को लाने का बिल्कुल सही समय है। यह एक बहुत ही खूबसूरत शो है। टेलीविजन की रानी एकता, जिन्होंने टेलीविजन की दुनिया को बदल दिया है, इस शो के साथ कुछ अलग करने की कोशिश कर रही हैं। उम्मीद है कि हम ऐसा करने में कामयाब होंगे।

शो में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैं इस शो में एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हूं। इसको लेकर मैं पत्रकार के जीवन के बारे कई चीजें सीख रही हूं। शो में शिवांगी कुशाल टंडन के साथ नजर आएंगी। इस फ्रेश जोड़ी के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि अब तक हमें जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वह बहुत अच्छा है, यह एक अलग जोड़ी है और लोग इसे पसंद कर रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी हमें पसंद करेंगे। बरसातें मौसम प्यार का 10 जुलाई से सोनी टीवी पर प्रसारित होगा।

अविका गौर की फिल्म 1920 हॉरर्स ऑफ हार्ट ने तीसरे दिन की शानदार कमाई

जहां एक ओर थिएटर्स में आदिपुरुष को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वहीं दूसरी और थिएटर्स में हॉरर फिल्म 1920 हॉरर्स ऑफ हार्ट ने भी दस्तक दी है। विक्रम भट्ट की बेटी कृष्णा भट्ट के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की कहानी खुद विक्रम भट्ट ने लिखी है। महेश भट्ट और मुकेश भट्ट की इस हॉरर फिल्म को तमिल और तेलुगू में भी रिलीज किया गया है। फिल्म को लिमिटेड स्क्रीन्स मिली हैं। फिर भी फिल्म अच्छी कमाई कर रही है।

तीसरे दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन कमाई की है। रिपोर्ट के अनुसार ओपनिंग डे पर इस फिल्म ने 1.64 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया, जबकि दूसरे दिन शनिवार को ये आंकड़ा 2.05 करोड़ तक पहुंच गया। वहीं फिल्म ने तीसरे दिन यानी रविवार को 2.25 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ अब तक की सबसे ज्यादा कमाई की है। इस प्रकार तीन दिनों में कुल मिलाकर फिल्म ने 5.94 रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

तीसरे दिन 1920 हॉरर्स ऑफ हार्टकी हिंदी में ऑक्यूपेंसी 18.52 प्रतिशत रही। इस फिल्म को 748 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है। वहीं साउथ में इस फिल्म को 226 स्क्रीन्स मिली हैं।

फिल्म की कहानी की बात करें तो ये कहानी मेघना यानी अविका गौर की है, जो अपने 21वें जन्मदिन पर अपने पिता को अपनी लव लाइफ के बारे में बताना चाहती है। हालांकि इससे पहले ही उनके पिता का निधन हो जाता है और मेघना के पास खबर आती है कि उनके पिता ने सुसाइड किया है।

इस बात पर मेघना को यकीन नहीं होता है और वो उनकी मौत की वजह का पता लगाने में जुट जाती है। उसे इसी दौरान पता लगता है कि उसकी मां राधिका ही उसके पिता की मौत की जिम्मेदार है जो उसे काफी पहले छोड़कर जा चुकी है। जिसके बाद मेघना इस बात का बदला लेना चाहती है। इसके लिए वो अपने पिता की आत्मा का इस्तेमाल करने की प्लानिंग करती है, ताकि राधिका और उसके दूसरे परिवार से उनके पिता की मौत का बदला लिया जा सके।

ऋतिक रोशन ने जारी किया फाइटर का पहला लुक, 25 जनवरी 2024 को होगी रिलीज

ऋतिक रोशन पिछले काफी समय से अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म फाइटर की तैयारियों में जुटे हुए थे। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में अभिनेता दीपिका पादुकोण के साथ नजर आने वाले हैं, जिसका प्रशंसक भी काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। आज अभिनेता ने फिल्म से अपना पहला लुक साझा कर दिया है, जिसे देख प्रशसंक भी उत्सुक हो गए हैं। इसके साथ ही अभिनेता ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है।

ऋतिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह अकेले ही नजर आ रहे हैं। पोस्टर में अभिनेता की पीठ कैमरे की ओर है और वह एयरफोर्स सूट पहने हुए लड़ाकू विमानों के साथ खड़े हुए हैं। उन्होंने एक लड़ाकू विमान के सामने के हिस्से को छू रहा है। इसके साथ उन्होंने बताया कि फाइटर की रिलीज में 7 महीने हैं और यह 25 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में आएगी। फाइटर का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है, जिनके साथ ऋतिक पहले भी 2 फिल्मों में काम कर चुके हैं। दोनों ने 2014 में बैंग बैंग और 2019 में वॉर में साथ काम किया था। अब तीसरी बार दोनों के इस सहयोग को लेकर दर्शक भी उत्साहित हैं। इसी तरह दीपिका के साथ सिद्धार्थ की पठान के बाद यह दूसरी फिल्म है। फिल्म में दीपिका और ऋतिक के अलावा अनिल कपूर भी अहम भूमिका में हैं। फाइटर भारत की पहली हवाई एक्शन फ्रेंचाइजी होने का भी वादा करती है। इस साल अप्रैल में एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग भी की गई है।

ऋतिक और सिद्धार्थ फाइटर के लिए अब तक का सबसे बड़ा क्लाइमेक्स शूट करने के लिए तैयार हैं। इस क्लाइमेक्स की 120 घंटे से अधिक समय तक शूटिंग होगी, जिसमें फिल्म का लगभग 25 मिनट का स्क्रीन टाइम लगेगा। इसके लिए टीम हवाई शॉट्स के साथ-साथ हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट शूट भी करेगी।

क्या आप भी कर रहे किसी और के इयरफोन का इस्तेमाल ये आदत कहीं गंभीर समस्या का कारण ना बन जाए!

आज के इस दौर में हम सब इयरफोन के इतने आदी हो चुके हैं कि अगर हम अपना इयरफोन कहीं भूल जाते हैं तो किसी और का इस्तेमाल करने लगते हैं। ऐसा करना आपके लिए घातक साबित हो सकता है। जी हां, दूसरे का इयरफोन इस्तेमाल करने से आप बेहरेपन के शिकार हो सकते हैं। तो अगर आप भी ऐसा कुछ कर रहें हैं तो सावधान हो जाइए।

क्या कहते हैं जानकार

इयरफोन को लेकर डब्ल्यूएचओ ने दावा किया है कि इयरफोन के ज्यादा इस्तेमाल के कारण दुनिया भर में लगभग 100 करोड़ युवाओं की सुनने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसके साथ ही स्टडी में बताया गया है कि अगर कोई भी इंसान दो घंटे से ज्यादा और 90 डेसिबल से अधिक इयरफोन में तेज आवाज में गाना सुनता है तो उसे सुनने में दिक्कत हो सकती है। सिर्फ इतना ही नहीं इयरफोन के ज्यादा इस्तेमाल से आपको दिल की बीमारियां भी हो सकती है और दिमाग पर इसका नेगेटिव असर पड़ सकता है।

इन्फेक्शन का खतरा

ऑनलाइन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड एलाइड साइंसेज में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि इयरफोन का बराबर इस्तेमाल करना कान में बैक्टीरिया की संख्या को बढ़ा सकता है। कान में मौजूद मैल सिर्फ चिपचिपा नहीं होता बल्कि उसमें अत्यधिक बैक्टीरिया भी पाया जाता है। ओआरएल हेड नेक नर्सिंग के एक अध्ययन ने ये साबित भी कर दिया कि अगर आपने किसी के साथ इयरफोन शेयर कर लिया तो इन्फेक्शन का खतरा बढ़ सकता है और ये एक इंसान से दूसरे इंसान तक फैल सकता है।

इयरफोन में लगी रबड़ गंदगी को आसानी से निकलने नहीं देती है और उसी में फंसी रहती है जिसकी वजह से बैक्टीरिया बनने लगता है। कानों में माइक्रोबियल फ्लोरा आमतौर पर स्यूडोमोनस और स्टेफिलोकोकस होते हैं। इसीलिए जब आप किसी के साथ इयरफोन शेयर करते हैं तो बैक्टीरिया आपके कान में फैल सकता है और संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा अगर आपके कान में किसी भी प्रकार की चोट या कट लगा है तो आपको कई तरह के स्किन इन्फेक्शन हो सकता है।

इयरफोन से हो सकते हैं ये सारे भी खतरें

इसके अलावा जब आप आपने इयरफोन को बहुत सारे जगहों पर देते हैं तो इससे उसमें जर्म्स लग सकते हैं। किसी और का इयरफोन इस्तेमाल करने से आपको फंगस, ब्लैकहैड्स और स्पॉट जैसी समस्याएं हो सकती है। इसलिए अपने इयरफोन को समय-समय पर साफ करते रहें, ताकि इन्फेक्शन से बचा जा सके।

एनटीआर जूनियर ने देवरा का एक और शेड्यूल किया पूरा

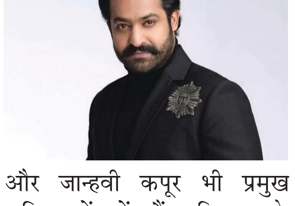

आरआरआर से धूम मचाने वाले एक्टर एनटीआर जूनियर ने अपनी अपकमिंग फिल्म देवरा का एक और शेड्यूल पूरा कर लिया है। यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा है और इसमें एक्शन सीक्वेंस केनी बेट्स और वीएफएक्स ब्रैड मिनिच द्वारा डिजाइन किए गए हैं। टीम ने हैदराबाद में शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसमें फिल्म के मुख्य कलाकारों से जुड़े रोमांचक एक्शन सीक्वेंस शामिल थे और यह दो सप्ताह तक चला। देवरा के जरिए एनटीआर जूनियर ब्लॉकबस्टर हिट जनथा गैराज के फिल्म निर्माता कोराताला शिवा के साथ फिर से काम कर रहे हैं। फिल्म में एनटीआर जूनियर के अलावा, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म के निर्माताओं ने म्यूजिक कंपोजिशन, एडिटिंग और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं के लिए इंडस्ट्री के दिग्गजों को शामिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। एनटीआर आर्ट्स के हरि कृष्ण के और युवासुधा आर्ट्स के सुधाकर मिक्कीलिनेनी द्वारा निर्मित देवरा 5 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

किसानों को जैविक कृषि के लिए करें प्रोत्साहित-कलेक्टर

रायगढ़। जिले के किसानों को ग्रामीण स्तर के अधिकारियों के माध्यम से उन्नत कृषि के लिए समय-समय पर मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें जैविक कृषि के लिए प्रोत्साहित करें। जिससे जिले के किसानों को कृषि कार्य में सहायता के साथ उन्हें अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उक्त बातें आज कलेक्टर सिन्हा ने कलेक्टर कक्ष में आयोजित खाद्य, कृषि, जिला विपणन, नागरिक आपूर्ति निगम, मार्केटिंग सोसायटी, वेयर हाउस कॉरपोरेशन, भारतीय खाद्य निगम एवं मंडी की संयुक्त की समीक्षा बैठक में कही। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजीव पाण्डेय भी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर सिन्हा ने जिले में चल रहे कृषि कार्य के फलस्वरूप कृषि विभाग को निर्देशित किया कि ग्रामीण स्तर पर विभाग के आरएईओ के माध्यम से किसानों को खाद-बीज व बोवाई तथा फसल के लिए समय-समय आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करें। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद कीटनाशक के स्थान में ब्रहास्त्र, जीवामृत व वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें, जिससे जिले में जैविक कृषि क्षेत्र विस्तार हो सकें। कलेक्टर सिन्हा ने राजीव गांधी न्याय योजना के संबंध में पंजीकृत किसानों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों का सत्यापन व सुधार कार्य करने के उपसंचालक कृषि को निर्देश दिए। कलेक्टर सिन्हा ने मंडी की भी समीक्षा की। उन्होंने धान की रबी फसल खरीदी के संबंध में जानकारी ली। विभागीय अधिकारी ने बताया कि खरीफ फसल में खरीदी की गई थी। कलेक्टर सिन्हा ने मंडी को निर्देशित किया कि किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी हेतु किसान मेले की कार्य योजना बनाए, जिससे जिले के किसानों को कृषि की नई तकनीकों के साथ कृषि के क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की बेहतर जानकारी मिल सके। उन्होंने खाद-बीज उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। विभागीय अधिकारी ने बताया कि जिले में मांग अनुरूप खाद-बीज का पर्याप्त मात्रा में भंडारण कर लिया गया है।

कलेक्टर ने जिले में परिवार नियोजन की जनजागरूकता के लिए प्रचार रथ को दिखाई हरी झंडी

राजनांदगांव । कलेक्टर डोमन सिंह ने जिले में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा 2023 के अंतर्गत परिवार नियोजन की जनजागरूकता के लिए प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाई। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग राजनांदगांव द्वारा 27 जून से 24 जुलाई 2023 तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। परिवार नियोजन का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या को रोकने के साथ-साथ माता एवं शिशु के स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा में जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन के महत्व, बच्चों के जन्म अंतराल, परिवार नियोजन में पुरुष सहभागिता के संबंध में जागरूक किया जाएगा। प्रचार रथ के माध्यम से जनसामान्य को दी जाने वाले लाभ के संबंध में जानकारी दी जाएगी। परिवार नियोजन के अंतर्गत स्थायी साधन पुरूष नसबंदी और महिला नसबंदी है। इसके अंतर्गत शासन द्वारा पुरूष नसबंदी करने पर 3 हजार रूपए, महिला नसबंदी करने पर 2 हजार रूपए, प्रसव पश्चात महिला नसबंदी करने पर 3 हजार रूपए, पीपीआईयूसीडी करने पर 300 रूपए तथा अंतरा इंजेक्शन लगवाने पर 100 रूपए की राशि संबंधित हितग्राही को दी जाती है। परिवार नियोजन के सभी अस्थाई साधनों के लिए अपने निकटतम स्वास्थ्य संस्थाएं जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं मितानिन से संपर्क कर सकते हैं।

पूर्व विधायक बाफना ने मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुना प्रधानमंत्री एवं जेपी नड्डा का संवाद

जगदलपुर। केन्द्र में भाजपा सरकार के 9 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पार्टी की ओर चलाए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान के तहत् 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ऑनलाईन टीवी के माध्यम से देशभर के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। इस दौरान भाजपा नगरनार मण्डल की ओर पूर्व विधायक संतोष बाफना के नेतृत्व में ग्राम पंचायत मारकेल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहाँ पर मंडल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं संग बाफना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के सीधे संवाद को वर्चुअली सुना। इस कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित सभी भाजपा सदस्यों ने ग्राम पंचायत मारकेल में विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत क्षेत्र का सघन दौरा भी किया। इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक बाफना ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने जनता से सीधे संवाद उन्हें एकजुट होने के साथ ही मजबूत रहने का संदेश दिया है। भाजपा की केन्द्र सरकार में देश मजबूत हुआ है। बाफना ने उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की, वह भी पार्टी को मजबूत बनाने के लिए एकजुट रहें।

विश्व के सबसे बड़े शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण के 8वें संस्करण का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। दुनिया के सबसे बड़े शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण, स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 - मेरा शहर, मेरी पहचान के 8वें संस्करण की तैयारियां पूरी हो गई हैं। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छ सर्वेक्षण (एसएस) 2023 के लिए 'फील्ड असेसमेंट' का शुभारंभ किया है। स्वेच्छं सर्वेक्षण-2023 के तहत, लगभग 3,000 मूल्यांकनकर्ता 01 जुलाई, 2023 से 'फील्ड असेसमेंट' शुरू करेंगे। ये मूल्यांकनकर्ता 46 संकेतकों में 4500 से अधिक शहरों के कार्य प्रदर्शन का अध्ययन करेंगे। यह कार्य एक महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

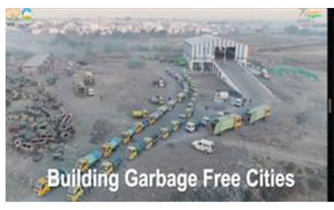

24 मई, 2022 को शुरू किया गया स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 वेस्ट टू वेल्थ का चैंपियन है, जिसे अपशिष्ट् के प्रसंस्करण और वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए तैयार किया गया है। मूल रूप से एक प्रतिस्पर्धी निगरानी उपकरण के रूप में तैयार किया गया, स्वच्छ सर्वेक्षण वर्ष 2016 में आवासन और शहरी मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य स्वच्छता और एक त्वारित प्रतिस्पर्धी तरीके से सतत स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए शहरों की मदद करना है। स्वच्छ सर्वेक्षण ने शहरी स्वच्छता को बेहतर बनाने और अपने नागरिकों को सर्वोत्तम सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए शहरों में प्रतिस्पर्धा की स्वस्थ भावना को प्रोत्साहित किया है। इस वर्ष के मूल्यांकन में 10 करोड़ से अधिक नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे यह निश्चित रूप से दुनिया का एक सबसे बड़ा वार्षिक शहरीस्वच्छता सर्वेक्षण बन जाएगा। चार तिमाहियों में आयोजित होने वाले इस मूल्यांकन की पहली तीन तिमाहियाँ सफ्लतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं। इस वर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की एक नई तीसरी तिमाही शुरू हो गई है और राज्यों/शहरों ने अपनी गतिविधियां और तैयारियों के स्तर को बढ़ाते हुए सर्वेक्षण की तैयारी पूरी कर ली है। पिछले दो महीनों के दौरान पूरे देश में भीषण गर्मी की स्थिति से बचने के लिए, चौथी तिमाही अब 01 जुलाई, 2023 से शुरू की जा रही है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के मूल्यांकन की चौथी और अंतिम तिमाही सबसे कड़ी और प्रतीक्षित है। इस तिमाही का शुभारंभ करते हुए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव मनोज जोशी ने एक वर्चुअल कार्यक्रम में कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण के पिछले 7 वर्ष स्वच्छ भारत मिशन की मुख्य विशेषता रहे हैं और हमें इस भावना को इस वर्ष भी जारी रखना है।

हम छोटे और मध्यम आकार के शहरों के लिए इस मिशन को आसान और उपयोगी बनाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि स्वच्छ सर्वेक्षण स्वच्छता को बेहतर बनाने में लगातार एक प्रबंधन उपकरण बना रहे। मैनहोल को मशीन होल में बदलने पर जोर देते हुए, उन्होंाने सफाई मित्र सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। अपशिष्ट प्रसंस्करण के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने स्त्रोत पर ही अपशिष्टोंक को अलग-अलग करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वाशस है कि यह सर्वेक्षण स्वच्छता को बेहतर बनाने के लिए शहरों को प्रेरित करता रहेगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के संकेतकों ने घर-घर से लिए गए कचरे को अलग-अलग करने, जीरो अपशिष्ट कार्यक्रम, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, बेहतर प्लास्टिक अपशिष्टो प्रबंधन और बैकलेन स्व्च्छिता से संबंधित मापदंडों पर ध्यान केंद्रित किया हैं। इन संकेतकों के लिए इस वर्ष अंक बढ़ाए गए हैं। 'मैनहोल' को 'मशीन होल' में बदलने के बारे में जोर देते हुए सफाई मित्र सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई है। इस घटक के तहत 2× अंक बढ़ाए गए हैं। 'वेस्ट टू वंडर पार्क' नामक नए संकेतकों को 2 प्रतिशत अधिमान्य के साथ शुरू किया गया है। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के लिए स्वच्छ ट्यूलिप ने एक नए संकेतक के रूप में स्वकच्छे सर्वेक्षण 2023 में प्रवेश किया है। इसके अलावा, रैड स्पोयट्स को भी सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई के तहत एक नए संकेतक के रूप में जोड़ा गया है। आरआरआर - आरआरआर केंद्रों की कार्यक्षमता को प्रोत्सोहित करने पर विशेष ध्या न दिया जा रहा है। इस वर्ष शहरों में सभी अपशिष्ट उपचार सुविधाओं के विस्तृत तकनीकी मूल्यांकन के लिए 40 प्रतिशत अधिमान्ये देने का संकेत दिया गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 - 24 मई, 2022 को शहर की स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर नागरिकों से टेलीफोन पर बातचीत के साथ शुरू किया गया था।

मंत्री अकबर ने 34 लाख 44 हजार रूपए की लागत से 03 प्राथमिक शाला भवन निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। प्रदेश के वन, परिवहन, आवास, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने सहसपुर लोहारा विकासखंड क्षेत्र में स्कूल शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए 03 ग्राम पंचायतों में 34 लाख 44 हजार रूपए की लागत से स्वीकृत 03 प्राथमिक शाला भवनों के निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया।

मंत्री श्री अकबर ने 11.48-11.48 लाख रुपए की लागत से बोड़ला विकासखंड के ग्राम बहेराखार, कन्हारी और पीपरटोला में प्राथमिक शाला भवन का विधिवत भूमिपूजन, शिलान्यास किया। मंत्री श्री अकबर ने प्राथमिक शाला भवन निर्माण कार्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

केबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ग्राम पंचायत में आयोजित प्राथमिक शाला भवन के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र से हर व्यक्ति को जोड़ने तथा शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश की सरकार पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

जिससे हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ा जाए तथा हर क्षेत्र को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर समाज को एक नया आयाम प्रदान किया जाए। इसके लिए शासन तथा प्रशासन स्तर पर विभिन्न तरह के जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। इस दौरान कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों में संचालित स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक प्रबंधन के लिए सौगात मिलने पर संबंधित ग्राम वासियों ने कैबिनेट मंत्री श्री अकबर के प्रति अभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर सबंधित ग्राम पंचायतों के पंच-सरपंचगण, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीगण सहित अधिक संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

पखांजूर । रिलायंस फाउंडेशन और पशु चिकित्सा विभाग पखांजूर के सहयोग से ग्राम श्याम नगर में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। तथा पशुओं का चिकित्सा किया गया । इस शिविर में रिलायंस फाउंडेशन से अमन मंडल (इसमे क्या डालू) तथा पखांजूर के पशु चिकित्सालय से डॉ चंदन कुमार साहू, डॉ. एससी राय और उनके सभी प्रमुख सहयोगी उपस्थित थे। किसानों को पशुओं में लगने वाले विभिन्न रोग की जानकारी अपूर्ण थी। किसान अपने पशुओं को रोगो से बचाने के लिए डॉ से सलाह ली।

एव बैल पशुओ को बधियाकरण करवाये और पशु पालकों को पशुओ की देखभाल करने की पूरी जानकारी दी गई। उन्होंने पशु पालकों को अनेक रोगो के बारे में अवगत कराया कि पशुओ में लगने वाले अधिक्तर रोग जीवाणु, कवक, या वायरस तथा मक्खियों के द्वारा फैलता है। एव पशुओं को पीने के लिए स्वच्छ पनी देना है। एव अनेक रोगों के लक्षण बताते हुए कहा यदि किसी पशु में ये रोग दिखता है तुरंत ही पशुओ का इलाज करवाये। एवं हमे तुरंत जानकारी दे ।

साथ ही जिस पशु में रोग दिखा उसे एंटीबायोटिक पाउडर या एंटीबायोटिक इंजेक्शन भी लगाया गये। साथ ही पशु पलको को अनेक प्रकार की दवाइयां भी नि:शुल्क बाटी गई, जैसे कि पोषण के लिए, कृमि के लिए एव घाव सूखने के लिए भी। साथ ही पशु चिकित्सक ने पशुओं में लगे अन्य रोगों के लिए पशुओं का उपचार किया। रिलायंस फाउंडेशन के अमन मंडल कृषि पशुपालन एवं विभागीय योजना से जुड़ने के लिए रिलायंस फाउंडेशन के निशुल्क नंबर 18004198800 के बारे में जानकारी दी।

संसदीय सचिव चंद्राकर ने जिला युवा उत्सव कार्यक्रम का शुभारम्भ किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जिला मुख्यालय स्थित महासमुंद वन विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव का संसदीय सचिव एवं विधायक विनोद चंद्राकर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अमृतकाल के पांच प्रण के तहत जिला स्तरीय युवा उत्सव में चित्रकला, कविता, फोटोग्राफी, भाषण, सामूहिक सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिता 15 से 29 वर्ष के युवाओं के बीच हुई। इस अवसर पर दाऊलाल चंद्राकर, नेहरू युवा केन्द्र के समन्वयक अर्पित तिवारी सहित अन्य प्रतिभागी युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंत में विजयी प्रतिभागियों को वनमंडलाधिकारी पंकज राजपूत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋतु हेमनानी ने प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किया।

इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव एवं विधायक विनोद चंद्राकर ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विविध अध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में लोगों को जागरूक करना और जिले के युवा कलाकारों, लेखकों, कवियां, चित्रकारों, फोटोग्राफरों और वक्ताओं की प्रतिभा को निखारना है। यह युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, भाईचारे, सांप्रदायिक सद्भाव की भावना और साहस की अवधारणा को प्रचारित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। यह उद्देश्य युवाओं की सभा आयोजित करके और उन्हें विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके प्राप्त किया जाता है। उन्होंने कहा कि जहां युवाओं में शक्ति व जोश होता है वहां सफलता निश्चित है। इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को निराशा से दूर रखते हैं। युवा अपनी शक्ति का प्रयोग सकारात्मक तौर पर करें। युवा अगर शक्ति का प्रयोग नहीं करेंगे तो वह शक्ति क्षीण हो जाएगी। हमें अपनी शक्ति का प्रयोग हमेशा अच्छे कार्यों के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेकर सामाजिक सरोकारों से जुड़ते हुए युवा देश भक्ति का बहुत बड़ा कार्य कर सकते हैं। युवाओं को जिस क्षेत्र में आगे बढ़ने की ललक होती है उसके लिए उन्हें निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम में चित्रकला, मोबाईल फोटोग्राफी, कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागी को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड देकर तथा प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी भी लगाया गया जिसका अवलोकन अतिथियों द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 29 जोड़ों का विवाह हुआ संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सिमगा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम चौरेंगा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 29 जोड़ो का विवाह संपन्न हुआ। जिसमें एक जोड़ा ईसाई धर्म से एवं 28 जोड़ों का हिन्दू रीति रिवाज से गायत्री परिवार द्वारा विधिवत संपन्न कराया गया। हर्ष का विषय यह है कि उक्त कार्यक्रम में 1 दिव्यांग जोड़ा भी शामिल था एवं अंतरजातिय विवाह भी देखने को मिला। यह कार्यक्रम भारत की एकता एवं अखंडता का प्रतीक बना।

उपरोक्त कार्यक्रम की शुरुवात पास्टर पॉल के नेतृत्व में ईसाई पद्धति से 1 जोड़े का विवाह संपन्न कर हुई। तत्पश्चात हिंदू वरों की बारात निकली गई। डीजे सिस्टम के साथ वर सहित, बारातियों एवं अतिथियों ने खूब ठुमके लगाए। महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा द्वारचार कर समस्त वर का स्वागत किया गया।

पंडित जी द्वारा सामूहिक रूप से 28 हिन्दू जोड़ों का वैवाहिक कार्यक्रम, हवन एवं फेरों सहित, सात वचन दिलाते हुए पूर्ण किया गया। परिणय सूत्र में बंधे समस्त 29 जोड़ों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वितरित 21 हजार रुपये के चेक,उपहार सामग्री एवं प्रमाण पत्र के साथ-साथ अतिथियों ने भी 'टिकावन' के रूप में साड़ी, लिफाफा आदि समस्त जोड़ों को अत्यंत उत्साह के साथ प्रदान किया। जोड़ों को आशीर्वाद देने हेतु जिला पंचायत सदस्य रमेश घृतलहरे, डीएमएफसदस्य सुनील महेश्वरी,निगम मंडल सदस्य सतीश अग्रवाल जी,ग्राम चौरेंगा के सरपंच एवं पंच गण एवं अन्य जनप्रतिनिधि गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। गौरतलब है कि माननीय मुख्यमंत्री के बजट सत्र के उद्घोषणा के आधार पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की राशि दुगुनी अर्थात प्रति जोड़ा 50 हजार रुपये कर दी गई है। अतः समस्त जोड़ों को 21 हजार रुपये की उपहार सामग्री, 21 हजार रुपये का चेक एवं आयोजन अथवा परिवहन हेतु शेष राशि प्रदान की गई है। उक्त मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारीश्रेष्ठ शंभरकर, समस्त पर्यवेक्षक गण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं, विद्यालय के अध्यापक,जोड़ों के परिजन और ग्रामवासी शामिल हुए।

बाढ़ आपदा से राहत एवं बचाव के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन में रायगढ़ जिले में बाढ़ आपदा से राहत एवं बचाव हेतु जिला, नगरीय, तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके लिए संयुक्त कलेक्टर बी.आर.ध्रुव मोबा.नं.70679-65325 को नोडल अधिकारी बनाया गया है। बाढ़ व अतिवृष्टि से किसी भी प्रकार की क्षति होने की सूचना एवं सहायता के लिए जिला कार्यालय रायगढ़, नगर पालिक निगम, तहसील स्तर पर बाढ़ आपदा राहत के संबंध में स्थापित किए गए कंट्रोल रूप में संपर्क कर सकते है। जिला, नगरीय एवं तहसील स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम का नंबर बाढ़ एवं आपदा नियंत्रण कक्ष क्रमांक-42, जिला कार्यालय रायगढ़ का कंट्रोल रूम नंबर 07762-223750 है। पुलिस अधीक्षक रायगढ़ कंट्रोल रूम-94791-93299, तहसील धरमजयगढ़ का कंट्रोल रूम नंबर 07767-266232 है।

खास-खबर

मौसम की मारः जगदलपुर में बाइक सवारों पर गिरा गुलमोहर का पेड़, दो युवकों की मौत और एक घायल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश के कारण हादसे भी बढ़ रहे हैं। कहीं आकाशीय बिजली गिर रही है तो कहीं कुछ हो रहा है। इसी कड़ी में जगदलपुर के कोडेनार में बाइक सवारों पर गुलमोहर का पेड़ गिर गया। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। वहीं बाइक सवार एक युवक घायल हो गया। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक युवक यहां नल-जल योजना का काम देख रहे थे।

मिली जानकारी के अनुसार दरभा के ग्राम डोडरेपाल में नल जल योजना के तहत काम चल रहा है। यहां भानपुरी थाना क्षेत्र निवासी नीलू कश्यप (19), डमरू (22) निवासी नंदपुरा तथा कोंडागांव निवासी रामचंद्र (22) भी काम कर रहे थे। मंगलवार रात करीब आठ बजे तीनों युवक बाइक पर सवार होकर कोड़ेनार की ओर जा रहे थे। रास्ते में रायकोट के पास एक गुलमोहर का पेड़ उनके ऊपर आ गिरा। पेड़ गिरने से तीनों युवक दब गए और नीलू व रामचंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में डमरू घायल हो गया हालांकि उसे ज्यादा चोटें नहीं आई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

अंधेरे का उठाया फायदा, विधवा महिला से किया सामूहिक दुष्कर्म, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर के मारडूम थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक विधवा महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला जब शौच के लिए गई थी तो कुछ युवकों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़ित महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निवेदिता पॉल ने बताया कि मारडुम निवासी विधवा महिला 26 जून की रात को घर से 100 मीटर दूर शौच के लिए गई हुई थी। इसी दौरान कुछ युवकों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और उसे घायल अवस्था में ही छोड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी गांव के लोगों को सुबह पता चला जब वे जंगल की ओर गए तो वहां पर महिला को देखा। जिसके बाद गांव के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ में ईडी के नाम पर सरकारी अफसरों से लाखों की उगाही, महाराष्ट्र के अमरावती से पकड़ाए शातिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ईडी व अन्य केन्द्रीय जांच एजेंसियों के नाम पर अलग अलग विभागों के अफसरों से लाखों की उगाही का मामला सामने आया है। महाराष्ट्र में बैठे शातिरों ने छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में भी सरकारी अफसरों को निशाना बनाया और लाखों की उगाही की। रायपुर के राखी थाने में हुई शिकायत के बाद पुलिस जांच शुरू की। पुलिस महाराष्ट्र के अमरावती से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रायपुर की राखी पुलिस ने मंगलवार को इस हाई प्रोफाइल मामले का खुलासा किया है।

दरअसल छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग में पदस्थ अधिकारी ने राखी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि 16 मई 2023 को मोबाइल नंबर 9112329778 से उसके ऑफिस लैंडलाइन 0771-2512612 पर फोन आया। कॉलर ने स्वयं को प्रवर्तन निदेशालय, नई दिल्ली का बताया और कुछ जानकारियां चाही। कॉलर ने पूछा वर्तमान में उपायुक्त आबकारी कौन है, अभी हाल ही में रिटायर्ड उपायुक्त कौन है उनका मोबाइल नंबर पूछने के साथ ही एसएन साहू व रमेश अग्रवाल के बारे में पूछकर उनका मोबाइल नंबर पूछा गया।

प्रार्थी ने जानकारी दी तो कॉलर ने उनसे ज्वाइंट डॉयरेक्टर प्रवर्तन निदेशालय सेंट्रल जोन नागपुर से उनके मोबाईल नंबर 9561225697 पर बात करने कहा। उक्त नंबर पर संपर्क करने पर कॉलर ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को आपके विरूद्ध शिकायत प्राप्त हुई है, जिसकी जांच ईडी, आयकर विभाग, ईओ डब्ल्यू, एसीबी एवं सीवीसी से करायी जाएगी। जांच से बचने के लिए कॉलर ने रुपए की मांग की। आबकारी अधिकारी ने कह दिया जांच कर लें। इसी प्रकार पर्यावरण संरक्षण मण्डल नवा रायपुर में पदस्थ दो अधिकारियों के पास भी कॉल आया। यह दोनों अफसर इनके झांसे में आ गए और अगल अलग कुल 10,60,000 रुपए दे दिए। दोनों मामलों में राखी पुलिस ने 419, 384 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

जांच के दौरान पुलिस ने प्रार्थियों से विस्तृत जानकारी ली और मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। मोबाइल से मिले लोकेशन के आधार पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना राखी पुलिस की संयुक्त टीम को महाराष्ट्र के अमरावती पहुंची। टीम के सदस्यों द्वारा अमरावती पहुंचकर आरोपी की पतासाजी करते हुए प्रकरण में संलिप्त आरोपी अश्वनी भाठिया एवं निशांत इंगडे को हिरासत में लिया गया। इन्हीं दोनों ने छत्तीसगढ़ में सरकारी अफसरों को ईडी का अफसर बताकर चूना लगाया। इन दोनों शातिरों ने छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, महाराष्ट्र, कनार्टक एवं दिल्ली आदि जगह भी सरकारी अफसरों से उगाही करने के प्रयास कर चुके हैं। इन लोगों ने छत्तीसगढ़ में 4 व मध्यप्रदेश में एक अफसर से उगाही कर चके हैं। आरोपियों के कब्जे से 4 नग मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

इंटरनेट से नंबर पता करते और कॉल कर देते थे झांसा

पूछताछ में पुलिस को आरोपियों ने बताया कि कैसे वे अफसरों को फंसाते थे। आरोपी निशांत इंगडे इंटरनेट के माध्यम से देश के अलग-अलग राज्यों व जिलों में पदस्थ उच्चाधिकारियों का मोबाईल नंबर व उनके कार्यालय का लैण्डलाईन नंबर पता करता और आरोपी अश्वनी भाठिया उन्हें फोन कर स्वयं को ईडी, ईओडब्ल्यू, आयकर विभाग एवं एसीबी का अधिकारी बताता। अश्वनी भाठिया फर्राटेदार अंग्रेजी बोलता था जिससे सरकारी अफसर आसानी से शिकार बन जाते थे। यह अधिकारियों से ऐसे बात करता कि यदि अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त है तो वह उसके झांसे में आ जाएगा। आरोपी अश्वनी भाठिया ऐसे लोगों से रूपयों की मांग कर उन्हें रुपए लेकर अमरावती (महाराष्ट्र) के दुरस्थ स्थानों में बुलाता था तथा वह निशांत इंगडे के साथ जाकर पीड़ितों से रुपए ले लेता था। आरोपियों का ईडी सहित उक्त अन्य शासकीय जांच ऐजेंसियों से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं है।

लव मैरीज के बाद पत्नी पर शक

पति ने गला घोंटकर की हत्या थाने में पहुंचकर किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में युवक ने अपनी की पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। 6 माह पहले लव मैरीज करने वाले युवक को अपनी पत्नी के चरित्र पर ही संदेह था। इसी संदेह के कारण उसने ऐसा खौफनाक कदम उठाया। हत्या के बाद खुद ही थाने पहुंचकर सरेंडर भी कर दिया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला जिले के सीपत थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार ग्राम सेलर निवासी करण सूर्यवंशी ने छह माह पहले रमतला की रहने वाली रितिका के साथ लव मैरिज की थी। शुरुआत में सबकुछ ठीक था लेकिन कुछ दिनों से दोनों मे अनबन होने लगी थी। करण को शक था कि उसकी पत्नी का पड़ोस में रहने वाले एक युवक से अवैध संबंध है। इसी बात को लेकर उसका आए दिन पत्नी से विवाद होता था।

विवाद के कारण उसकी पत्नी अपने मायके चली गई थी, लेकिन करण फिर उसे सुलह कर घर ले आया। घर लाने के बाद सोमवार रात भी दोनों के बीच फिर विवाद हुआ। बात इतनी बढ़ी कि करण ने अपनी पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद सारी रात जागता रहा। फिर इसकी जानकारी परिजनों को दी और थाने जाकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

सूदखोरों के जाल में फंसा एसईसीएल कर्मी रुपए लौटाने के बाद भी खाता कर रहे थे खाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सूदखोरों की दंबगई का मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने बेटी की शादी के लिए उधार लिया था और ब्याज के साथ सारी रकम लौटा दी। इसके बाद भी सूदखोर ने उसके दस्तावेज नहीं लौटाए और एटीएम व पासबुक अपने पास रखा। जब वेतन आता तो पूरा खाता खाली कर देते और शख्स को खर्च के लिए सिर्फ 10 हजार रुपए देते थे। जब उसके परिवार ने इसका विरोध किया तो सूदखोरों ने गालियां देते हुए उन्हें धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई और फिलहाल सूदखोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

मिली जानकारी के मुताबिक सर्वमंगला नगर निवासी रामायण केंवट (50) एसईसीएल कर्मचारी हैं। उनकी जान पहचान बांकीमोंगरा के शांतिनगर निवासी संजय आजाद व वीर बहादुर केशरी से थी। रामायण ने अपनी बेटी की शादी के लिए करीब चार साल पहले दोनों से डेढ़ लाख रुपये उधार लिए थे। इस दौरान उसने अपनी पेमेंट स्लिप के अलावा पैन कार्ड, डेबिट कार्ड और आधार कार्ड दे दिए। रामायण ने समय रहते उधार ली हुई सारी रकम सूद समेत चुका दी।

रामायण केंवट ने बताया कि रुपए लौटाने के बाद भी दोनों ने उसका डेबिट कार्ड नहीं लौटाया। दोनों हर महीने उनके खाते से सारा वेतन निकाल लेते और बदले में खर्च के लिए 10 हजार रुपए देते थे। इससे परिवार को गुजर बसर करने में परेशानी हो रही थी। तंग आकर एसईसीएल कर्मी की पत्नी और पुत्री रकम मांगने आरोपियों के पास पहुंचे तो दोनों ने उन्हें धमकी दी। इसके बाद मां बेटी पुलिस के पास पहुंचे और मामला दर्ज करा दिया। पुलिस ने अपराध दर्ज कर दोनों आरोपियों गिरफ्तार कर लियाप् पुलिस को आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग लोगों के 20 आधार कार्ड, छह एटीएम कार्ड, 20 पैन कार्ड, 20 परिचय पत्र, 40 पेमेंट स्लिप सहित अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं।

छत्तीसगढ़ में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, सरकार से मांगा जवाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार को हाईकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। सरकार द्वारा प्रदेश में शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए कराई परीक्षा के बाद इस पर अंतरिम रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने यह रोक एक याचिका की सुनवाई के दौरान लगाई है। साथ ही हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार से इस संबंध में जवाब भी मांगा है।

बता दें छत्तीसगढ़ में शिक्षक भर्ती परीक्षा 10 जून को ही हुई थी। अभी इसका परिणाम भी जारी नहीं हुआ है और हाईकोर्ट ने भर्ती पर ही अंतरित रोक लगा दी है। दरअसल याचिकाकर्ता वेदप्रकाश व कुछ अन्य लोगों ने अधिवक्ता अजय श्रीवास्तव के जरिए हाईकोर्ट में एक याचिका लगाई है। इसमें कहा गया है कि, छत्तीसगढ़ शासन ने शिक्षक के टी-संवर्ग के 4659 पद और ई-संवर्ग के 1113 पदों की भर्ती के लिए 4 मई को विज्ञापन जारी किया था। भर्ती प्रक्रिया में अतिथि शिक्षकों को बोनस अंक देने का प्रावधान भी विज्ञापन में बताया गया, जबकि छग स्कूल शिक्षा सेवा संवर्ग भर्ती नियम 2019 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

इसके अलावा उक्त पदोन्नति और भर्ती नियम के अनुसार शिक्षक के पद पर विषयवार सीधी भर्ती व पदोन्नति किया जाना है। जो विज्ञापन जारी किया गया वह केवल शिक्षक के लिए है। किसी प्रकार का विषय का वर्गीकरण नहीं किया गया। जबकि सभी विषयों के लिए अलग-अलग पद जारी किया जाना था। ऐसे में अभ्यर्थी को यह भी जानकारी नहीं होगी, कि उसके विषय का पद रिक्त है या नहीं। उक्त सभी बातों को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए शिक्षक भर्ती पर अंतरिम रोक लगाते हुए सरकार से जवाब मांगा है।

डायल 112 की टीम ने बचाई महिला की जान, पति से विवाद के बाद फांसी लगाने जा रही थी महिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस के डायल 112 के आरक्षकों ने फांसी लगाने जा रही महिला के घर का दरवाजा तोड़कर उसकी जान बचाई है। महिला अपने पति से विवाद के बाद यह खौफनाक कदम उठाने जा रही थी। डायल 112 की टीम के इस साहसिक काम की दुर्ग एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने सराहना की है।

दरअसल डायल 112 की ड्यूटी में तैनात आरक्षक तारकेश्वर साहू, मुकेश यादव, चालाक मनीष निर्मलकर व चालक नितेश सिन्हा को एक कॉलर ने फोन कर बताया कि महिला को फोन करने पर वह रिसीव नहीं कर रही है। कॉलर ने किसी अनहोनी की आशंका जताई। इसके बाद डायल 112 की टीम ने बिना देरी किए कॉलर के बताए अनुसार पते पर पहुंची। लोकेशन के आधार पर घटनास्थल के पास पहुंचे आसपास पता किया तो घर की जानकारी मिली। घर के पास पहुंचकर आरक्षकों ने काफी आवाज लगाई लेकिन किसी ने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद आरक्षकों ने दरवाजा तोड़ दिया और भीतर पहुंचे। अंदर का नजारा देख टीम हैरान रह गई। घर के अंदर महिला पंखे में साड़ी का फंदा बनाकर खुदकुशी करने की कोशिश कर रही थी। आरक्षकों ने तत्काल महिला को फंदे से उतारा और पानी पिलाया। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह पति से विवाद के कारण परेशान थी। इसके बाद आरक्षक महिला को मोहन नगर थाने लेकर पहुंचे। थाने में महिला के पति को भी बुलाया गया और दोनों को समझाइश देकर रवाना किया गया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने की बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगी ड्यूटी

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर आगामी मानसून सत्र में प्राकृतिक आपदा बाढ़, अतिवृष्टि की आशंका को ध्यान में रखते हुए नगर निगम कार्यालय में बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। मॉनिटरिंग व्यवस्था व कार्यो के सम्पादन हेतु उपायुक्त मोहेंद्र साहू को नोडल अधिकारी बनाया गया है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर अधिकारियों व कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जन धन की सुरक्षा को ध्यान में रखकर कार्य करेंगे। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत में आपदा की स्थिति में बचाव एवं राहत व्यवस्था के सुचारू रूप से संचालन हेतु कार्यालय सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक 24 घंटे निरंतर क्रियाशील रहेगा और 26 जून से अक्टूबर 2023 तक बाढ़ नियंत्रण कक्ष संचालित होगा। कक्ष के दूरभाष नम्बर 0788-2322148 में आपात स्थिति की सूचना दी जा सकती है।आयुक्त ने कहा सभी अधिकारी/कर्मचारी 24 घण्टे अपना मोबाइल चालू रखेगे,शहर क्षेत्र के अंतर्गत सफाई व्यवस्था हेतु सफाई कर्मी अपने प्रभार क्षेत्र के सफाई दोनो पाली में तैनात रहेंगे। डुबान क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति में वैकल्पिक स्थान में ठहराने और भोजन की व्यवस्था किया जाएगा।

लंबित वेतन का भुगतान शीघ्र कराने की मांग

दुर्ग। शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय दुर्ग में अनुबंधित संस्था संचालक राजेश बोडे मैट्रिक जे ई ई एकेडमी सीकर राजस्थान द्वारा फाउंडेशन का वेतन पिछले कई महीनों से लंबित है। इसी मांग को लेकर शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय अनुबंधित संस्था के शिक्षकों ने आज छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा आरएन वर्मा को ज्ञापन सौंपकर वेतन का भुगतान शीघ्र कराने की मांग की। आरएन वर्मा ने सभी शिक्षकों को आश्वस्त किया है कि उनका वेतन जल्द से जल्द उन्हें वेतन का भुगतान किया जाएगा। इस अवसर पर अनुबंधित संस्था के शिक्षक लोकेश साहू ,अजय वर्मा, सुधांशु मिश्रा, सैयद अमन, इंद्रजीत भारती, रुखसार मिर्जा, सोनाली कृति जंघेल, संध्या ताम्रकार, संदीप साहू ने ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग रखी।

जिले में अब तक 119.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून से 27 जून तक 119.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 215.6 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 38.0 मिमी. बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 177.8 मिमी, तहसील धमधा में 63.4 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 143.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 138.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 27 जून को तहसील दुर्ग में 95.3 मिमी, तहसील धमधा में 19.2 मिमी और तहसील अहिवारा में 17.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

सोयाबीन किस्म जे.एस.-2069 बीज के विक्रय प्रतिबंधित

दुर्ग। अनुज्ञप्ति अधिकारी एवं उप संचालक कृषि दुर्ग ने बीज नियंत्रण आदेश 1983 के प्रावधानों के अनुसार प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिले में सोयाबीन किस्म जे.एस.-2069 बीज के विक्रय को प्रतिबंधित कर दिया है। ज्ञात हो कि उक्त किस्म बीज के लाट नम्बर ओ सी.टी.-22-34-42-2-एफआई का छ. ग.राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा नमूना लिया गया है।

निगमायुक्त रोहित व्यास ने जारी किया आदेश, उपायुक्त रमाकांत साहू होंगे नोडल अधिकारी

भिलाई में अतिवृष्टि व बाढ़ से बचाव के लिए बना बाढ़ नियंत्रण दल व कंट्रोल रूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत अतिवृष्टि व बाढ़ से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन के लिए बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ दल एवं कंट्रोल रूम की स्थापना की जा चुकी है। इसके लिए नोडल अधिकारी उपायुक्त रमाकांत साहू को बनाया गया है। महापौर नीरज पाल के निर्देश पर नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में बाढ़ आपदा से निपटने के लिए बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ दल एवं कंट्रोल रूम की स्थापना कर दी गई है। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने इसके आदेश दे दिए हैं।

निगम आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार मुख्य कंट्रोल रूम में रमाकांत साहू उपायुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा को नियुक्त किया गया है। सहयोगी कर्मचारी के रूप में जयकुमार जैन एवं पतिराम बरेठ, संतोष हरमुख एवं चूड़ामणि यादव को लगाया गया है। कंट्रोल रूम में दिलीप यादव, उमेश कोरी, दिलीप कुमार हूमने, उमाशंकर, युवराज साहू एवं टुमन लाल साहू की ड्यूटी लगाई गई है। आपदा शिविर एवं राहत सामग्री के लिए कार्यपालन अभियंता डीके वर्मा को नियुक्त किया गया है तथा सहयोगी के रूप में वेश्राम सिन्हा प्रभारी कार्यपालन अभियंता, उप अभियंता अर्पित बंजारे, सीताराम यादव एवं रामप्रवेश को लगाया गया है।

इन अफसरों को मिली आपदा नियंत्रण की जिम्मेदारी

इसी प्रकार आपदा में पेयजल आपूर्ति के लिए कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा तथा सहयोगी के रूप में बृजेश श्रीवास्तव सहायक अभियंता व बसंत साहू उप अभियंता को नियुक्त किया गया है। विद्युत व्यवस्था के लिए कार्यपालन अभियंता टी के रणदिवे एवं सहयोगी के रूप में अर्पित बंजारे उप अभियंता तथा तीरथ यादव को नियुक्त किया गया है। चिकित्सा दल के लिए स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा एवं सहयोगी के रुप में केके सिंह, आनंद चक्रधर तथा चेलाराम वर्मा को नियुक्त किया गया है। नेहरू नगर जोन क्रमांक एक में बाढ़ नियंत्रण दल के लिए जोन आयुक्त राजेंद्र नायक सहयोगी अधिकारी में सहायक अभियंता आर एस राजपूत, धीरज साहू, अंकित सक्सेना की ड्यूटी लगाई गई है। वैशाली नगर जोन क्रमांक 2 में बाढ़ नियंत्रण दल के लिए जोन आयुक्त येशा लहरें सहयोगी अधिकारियों के रूप में सहायक राजस्व अधिकारी जेपी तिवारी, अनिल मिश्रा को नियुक्त किया गया है। मदर टेरेसा नगर जोन क्रमांक 3 में बाढ़ नियंत्रण दर हेतु जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा सहयोगी अधिकारियों के रूप में सहायक अभियंता अरविंद शर्मा, मलखान सिंह सोरी, आरपी तिवारी, सुदामा परघनिया को लगाया गया है। शिवाजी नगर जोन क्रमांक 4 में बाढ़ आपदा नियंत्रण हेतु जोन आयुक्त पूजा पिल्ले सहयोगी अधिकारी में सहायक अभियंता अखिलेश चंद्राकर, बालकृष्ण नायडू, वीरेंद्र बजारे को नियुक्त किया गया है। सेक्टर 6 जोन क्रमांक 5 में बाढ़ नियंत्रण के लिए जोन आयुक्त खिरोद्र भोई सहयोगी अधिकारियों में सहायक अभियंता वसीम खान, अनिल मेश्राम, वीके सैमुअल एवं हेमंत मांझी को नियुक्त किया गया है। वाहन नियंत्रण कक्ष प्रभारी कार्यपालन अभियंता सीडी पर परघनियां होंगे सहयोगी के रूप में उप अभियंता अर्पित बंजारे एवं सुभाष साहू को नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था के लिए वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक केके सिंह की नियुक्ति की गई है।

नोडल अधिकारी रमाकांत साहू का मोबाइल नंबर 9098907321 तथा जोन आयुक्त जोन क्रमांक 1 राजेंद्र नायक का मोबाइल नंबर 70005 17619, वैशाली नगर जोन आयुक्त का मोबाइल नंबर 6232769888, मदर टेरेसा नगर जोन आयुक्त का मोबाइल नंबर 78791 52951, शिवाजी नगर जोन आयुक्त का मोबाइल नंबर 99811 59559 तथा सेक्टर 6 जोन आयुक्त का मोबाइल नंबर 9340722292 पर संपर्क किया जा सकता है।

आयुक्त का निर्देश 24 घंटे खुले रहेंगे कंट्रोल रूम

निगम आयुक्त रोहित व्यास ने निर्देशित किया है कि कंट्रोल रूम 24 घंटे खुले रहेंगे एवं अतिवृष्टि के दौरान कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाले शिकायतों का निराकरण तत्काल संबंधितो की जानकारी में लाकर किया जाएगा। प्रभार क्षेत्र अंतर्गत आपदा शिविर स्थलों को चिन्हित कर आवश्यकतानुसार व्यवस्था करेंगे। निचले क्षेत्रों में जहां अतिवृष्टि के दौरान पानी भरने की समस्या आती है ऐसे चिन्हित स्थलों को विशेष रूप से सतत निगरानी में रखी जाए एवं पूर्व से बचाव दल को निर्देशित कर लिया जाए। निगम क्षेत्र में स्थित अस्पताल एवं और औषधालय में पर्याप्त आवश्यक दवाइयां उपलब्ध रखा जाए एवं आवश्यकता होने पर मरीजों के लिए शिविर लगाए जाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जाए। तोड़फोड़ दस्ता एवं तोड़फोड़ प्रभारी भी अलर्ट मोड में रहेंगे।

अमरनाथ यात्रा के लिए दुर्ग भिलाई से शिवभक्तों का जत्था रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग रेलवे स्टेशन से बाबा अमरनाथ धाम के लिए मंगलवार को शिवभक्त रवाना हुए। स्टेशन पर शिव भक्तों ने जय बाबा बर्फानी के जयकारे के साथ यात्रा की शुरुआत की। पहले जत्थे में अलग-अलग ग्रुप में 10 से 15 लोग शामिल हैं। श्रद्धालुओं ने बताया कि वे परिवार, समाज देश प्रदेश की समृद्धि की प्रार्थना भोलेनाथ से करेंगे। अमरनाथ की यात्रा 1 जुलाई से शुरू होने वाली है। 42 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ से पहला जत्था आज रवाना हो गया।

1 जुलाई से 12 अगस्त तक चलने वाली इस पवित्र यात्रा के लिए दुर्ग से भी पहला जत्था 27 जून को जम्मूतवी एक्सप्रेस से प्रस्थान किया। अमरनाथ यात्रा में जाने वाले समाज सेवी योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि इस साल दुर्ग भिलाई एवं आस पास के गांव से 50 से अधिक यात्री बाबा बर्फानी के दर्शन करने जा रहे हैं। दुर्ग के साथ साथ रायपुर राजधानी केअलावा जगदलपुर, धमतरी, कांकेर, बालोद, राजनांदगांव, दुर्ग, महासमुंद, बिलासपुर, कोरबा आदि शहरों से भी भारी संख्या में यात्री जा रहे है।

8 बार अमरनाथ जा चुके पंकज यादव ने बताया कि दुर्ग से रवाना होने के पश्चात कल रात्रि में जम्मू स्टेशन पहुँचने के बाद 28 को माता वैष्णव देवी जी का दर्शन एवं 2 जुलाई को पवित्र गुफा में बालटाल के रास्ते से जाकर बाबा बर्फानी अमरनाथ का दर्शन करेंगे।

भिलाई का एक ग्रुप जो पिछले 11 सालों से लगातार अमरनाथ की यात्रा कर रहा

हर साल होने वाली अमरनाथ यात्रा शुरू हो गई। श्रद्धालु बाबा बर्फाणी के दर्शनों के लिए निकल रहे हैं। इसी कड़ी में भिलाई से भी अमरनाथ यात्रा के लिए इस साल कई लोगों ने पंजीयन कराया है। वहीं भिलाई का एक ग्रुप ऐसा भी है जो पिछले 11 सालों से लगातार अमरनाथ की यात्रा कर रहा है। इस ग्रुप में महिलाएं व बच्चे भी शामिल हैं। भिलाई से 32 यात्रियों का यह जत्था आज दुर्ग रेलवे स्टेशन से दुर्ग-जम्मुतवी एक्सप्रेस से रवाना हुआ।

समुद्र तल से 13600 फीट ऊंचाई पर बाबा बर्फानी जी की गुफा है। 11 बार बाबा अमरनाथ की यात्रा कर चुके भिलाई के जय प्रकाश भोले, एवं पापा राव, बताते हैं कि अमरनाथ की गुफा कश्मीर के नगर शहर से लगभग 140 किलोमीटर दूर है। यह समुद्रतल से 13,600 फीट ऊंचाई पर है। गुफा की लंबाई 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर तथा ऊंचाई 11 मीटर है।

बाबा जी का दिव्य शिवलिंग प्राकृतिक बर्फ से बनता है, ऐसी मान्यता है कि अमरनाथ गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था। शिवलिंग का निर्माण अपने आप प्राकृतिक बर्फसे होता है। शिवलिंग चंद्रमा के घटने-बढने के साथ घटता-बढ़ता है। सावन महीने के अंतिम दिन पूर्णिमा को यह पूरे आकार में आ जाता है।

सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनांतर्गत 6 कार्यो के लिए 37 लाख 99 हजार 578 रूपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा द्वारा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए विकासखंड धमधा अंतर्गत 6 कार्यो के लिए 37 लाख 99 हजार 578 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। लोकसभा सांसद विजय बघेल द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यो का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा द्वारा की जाएगी। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत धमधा के अंतर्गत ग्राम अछोटी में सीसी रोड निर्माण सतनाम मोहल्ला के लिए 6 लाख 99 हजार 894 रूपए, 8 लाख 99 हजार 864 रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बीएसपी और के बीच साइबर सुरक्षा पर सहभागिता हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र और आईआईटी कानपुर के के बीच 27 जून, 2023 को साइबर सुरक्षा और संबंधित प्रौद्योगिकियों पर सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने की। इस कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) एवं

अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक निदेशक सुब्रत मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक ए के चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक डॉ ए के पंडा, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी समीर स्वरुप, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी पी के सरकार और मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी असित साहा सहित बीएसपी प्रबंधन के उच्च अधिकारियों ने भी भाग लिया। इसके अलावा कार्यक्रम में आईएनसीओएस, सीएंडआईटी, टेलीकॉम, एमएम, प्रोजेक्ट्स और अन्य क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अपने भाषण के दौरान, निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने बीएसपी में साइबर सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया, जहां ओटी और आईटी नेटवर्क का संयोजन नई चुनौतियां पैदा कर रहा है। उन्होंने इस क्षेत्र में अग्रणी आईआईटी-कानपुर जैसे संस्थान आदि के माध्यम से सहयोग और स्वदेशी प्रौद्योगिकी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। अपने संबोधन के दौरान प्रो. अग्रवाल ने आईआईटी-कानपुर में किए जा रहे शोध कार्यों पर प्रकाश डाला।

---

1 जुलाई को छमुमो मनायेगी भिलाई गोली कांड में शहीद हुए शहीदों का शहीदी दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ मुक्ति मोर्चा के नेता भीमराव बागड़े ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार मजदूरों को जीने लायक वेतन व स्थायीकरण दे, इन्ही सभी मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के संस्थापक रहे कामरेड शंकर गुहा नियोगी के नेतृत्व में श्रमिक आंदोलनरत थे।

28 सितंबर 1991 को रात्रि के समय जब वे सो रहे थे उस समय गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। उसके बावजूद भी आंदोलन जारी था। 1 जुलाई1992 के दिन पुलिस द्वारा गोली चालन कर 17 मजदूरों की हत्या कर दी गई।

उनका शहीद दिवस हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी 1 जुलाई को मनाया जायेगा। इसमें बड़ी संख्या में छमुमो से जुडे श्रमिक व समर्थक लाल मैदान छावनी पॉवर हाउस में प्रातः 10 बजे एकत्रित होंगे गोलीकांड में हुए शहीद के परिवारों के साथ गोली चालन वाले स्थान पहुंचकर पूजा अर्चना के बाद 1 बजे पॉवर हाउस से रैली के रूप में नंदिनी रोड होते हुए एसीसी चौक के पास शहीद शंकर गुहा नियोगी के प्रतिमा स्थल पहुंचेंगे और वहां उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे एवं आमसभा आयोजित होगी।

जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में 9वां वार्षिक हेमेटोलॉजी अपडेट सम्मेलन संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य चिकित्सालय जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर 9 में 25 जून 2023 को वार्षिक हेमेटोलॉजी अपडेट का 9वां संस्करण, एक राज्य-स्तरीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम, जेएलएन अस्पताल के सभागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ रवींद्रनाथ एम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

एक दिवसीय शैक्षणिक बैठक में छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों से 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ प्रमोद बिनायके सहित राज्य के अन्य स्थानों से आए वरिष्ठ

पैथोलॉजिस्ट बैठक में उपस्थित थे। कार्यक्रम के शैक्षणिक सत्र में संबंधित क्षेत्र के प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। कोलकाता के रक्त कैंसर विशेषज्ञ डॉ सुमन कुमार प्रमाणिक ने रक्त कैंसर के खतरनाक रूप, तीव्र ल्यूकेमिया के उपचार और नवीनतम अपडेट पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के हेमटोपैथोलॉजिस्ट डॉ नितिन दयाल ने मायलॉइड ल्यूकेमिया के वर्गीकरण में हाल के विकास पर अंतर्दृष्टि साझा की। इसके अतिरिक्त एएफएमसी, पुणे के हेमटो पैथोलॉजिस्ट डॉ अंकुर आहूजा ने क्रोनिक लिम्फोप्रोलिफेरेटिव डिस ऑर्डर, जो एक दुर्लभ लेकिन गंभीर प्रकार का धीरे-धीरे बढ़ने वाला रक्त कैंसर है, का पता लगाने में हाल की प्रगति पर प्रस्तुति देकर दर्शकों को खुशी और आश्चर्य से मुग्ध कर दिया। प्रतिभागियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए डॉ प्रमाणिक द्वारा जैव सांख्यिकी और अनुसंधान पद्धतियों पर एक स्पेषल रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया गया था। इस कोर्स ने डीएनबी छात्रों और सलाहकारों के बीच सक्रिय चर्चा को बढ़ावा दिया, जिससे शैक्षिक अनुभव और समृद्ध हुआ। रायपुर के वरिष्ठ मॉलिक्यूलर पैथोलॉजिस्ट डॉ मानस सुले ने मॉलिक्यूलर पैथोलॉजी में हाल की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए एक भाषण दिया, जिसमें रक्त-प्रवाह संक्रमणों का शीघ्र और तेजी से पता लगाने के लिए नए रक्त परीक्षणों के महत्व पर जोर दिया गया। हेस्टैक एनालिटिक्स की डॉ महुआ दासगुप्ता कपूर ने एक छोटे पॉकेट आकार के सीक्रेंसिंग उपकरण का उपयोग कर, रक्त प्रवाह संक्रामक जीवों के निदान में नवीनतम विकास पर चर्चा की ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में विश्व में राजनीतिक आर्थिक पटल में मजबूती के साथ उभरा है : सरोज पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा विशेष जनसंपर्क अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर 30 मई से लेकर 30 जून तक चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा मध्यप्रदेश के भोपाल मे 239000 देशभर से पहुंचे कार्यकर्ताओं के साथ-साथ डिजिटल रैली के माध्यम से 1000000 बूथ के कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय के द्वारा पटरी पार मंडल के वार्ड 59 के बूथ क्रमांक 31 में स्थित हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल मे पटरी पार मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ श्रवण की । इस दौरान उनके साथ प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर,

भाजपा जिला उपाध्यक्ष अल्का बाघमार, जिला मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, जिला आईटी सेल संयोजक जितेंद्र सिंह राजपूत ,मंडल भाजपा अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ,मंडल महामंत्री देवनारायण चंद्राकर, मनमोहन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय ने कहा कि विश्व के सर्वमान्य नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जिनके नेतृत्व में आज देश आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से सशक्त तरीके से विश्व पटल पर उभरा है आज उन्होंने सीधे भारतीय जनता पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद कर बूथ जीतने के तरीके चर्चा की बूथ को और अधिक तरीके से मजबूत करने के लिए जो कार्य किए जा सकते हैं और अपने अनुभव को उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बाटा उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से आगामी दिनों होने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के जीत का परचम लहराने के लिए कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आप सभी जाएं और बुथ को मजबूत करने के लिए जुट जाएं।

इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष लुकेश बघेल, पार्षद शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, मीना सिंह, रोहित साहू, श्वेता ताम्रकार ,मौसमी ताम्रकार ,तनुजा बघेल ,पूर्णिमा तिवारी, सुधा सेंगर ,भास्कर तिवारी, निलेश सिन्हा , रचित पराशर, प्रवीण सेन, कंचन यादव, दिलीप साहू, मनु साहू, अश्वनी साहू, रवि तिवारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अणुव्रत समिति व पोरवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में जीवन विज्ञान कार्यशाला का हुआ सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अणुव्रत समिति भिलाई एवं पोरवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में जीवन विज्ञान कार्यशाला प्रेक्षा भवन नेहरूनगर भिलाई में दिनांक 27 जून 2023 को युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्याएं समणी डॉ. ज्योति प्रज्ञा जी एवं डॉ. मानस प्रज्ञा की पावन उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस कार्यशाला में विद्यालय के छात्र छात्राओं बहन श्रेया द्वारा प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान, बहन शिखा द्वारा प्रेक्षा ध्यान एवं भैया अभिजीत द्वारसंकल्प के प्रयोग का अभ्यास कराया गया ।

साथ ही साथ संगीतमय योग श्रृंखला की सामुहिक प्रस्तुति छात्राओं द्वारा प्रस्तुति दी गई । तत्पश्चात समणी मानस प्रज्ञा जी

द्वारा छात्र छात्राओं को तीन संकल्प आत्मविश्वास , दृढ़ संकल्प और श्रम इन्हे आत्मसात कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित की समणी ज्योति प्रजा जी द्वारा अणुव्रत के आचार संहिता पर प्रकाश डाला गया तथा जीवन को सहज बनाने तीन संकल्प का संगान कराया गया । इसी बीच अणुव्रत क्रिएटिविटी कान्टेस्ट के सीटी लेवल से स्टेट लेबल तक के विजेता छात्र छात्राओं को केन्द्र से प्राप्त प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया । विजयी प्रतिभागियों में बहन शिखा विश्वकर्मा , बहन अमिषा यादव , बहन अनुष्का मौर्य , बहन महिमा देवांगन . बहन सुदीप्ता ने स्टेट लेबल की प्रतियोगिता में विजेता स्थान प्राप्त किए हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950